RNI No.-RAJHIN/2009/27584

जयपुर, बुधवार, 28 जून 2023

New Delhi > Mumbai > Jaipur

पेज 02

दैनिक

न्यूज़ ऑफ दि डे

NEWS OF THE DAY

Established 2009 newsofthedayjaipur@gmail.com

पेज 06

वर्ष 14 ■ अंक 321

Contect: 99281 00001, 98282 00001,

पृष्ठ 6 ■ मूल्य 2 रूपये प्रति

दिल्ली, उत्तरप्रदेश, राजस्थान में छाए बादल

हिमाचल, उत्तराखंड में बारिश का कहर, ऑरेंज अलर्ट जारी

न्यूज ऑफ दि डे

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मानसून के कारण हो रही बारिश को देखते हुए देश के विभिन्न हिस्सों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी वैज्ञानिक सोमा सेन ने कहा, "मानसून वर्तमान में सक्रिय है और पिछले 4-5 दिनों में तेजी से आगे बढ़ा है। उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, मानसून ने लगभग पूरे देश को प्रभावित किया है। पूरे गुजरात और दक्षिण- पूर्वी राजस्थान को मानसून ने कवर कर लिया है। अगले दो दिनों में उम्मीद है कि दक्षिण पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के शेष हिस्से भी कवर हो जाएंगे।

हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में लगातार बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है, जिससे लोगों का सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में अगले पांच दिनों तक बारिश की संभावना है और कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

शिमला के आईएमडी वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा ने कहा, "अगले 5 दिनों तक बारिश की संभावना है। राज्य के कुछ स्थानों पर भारी बारिश का अलर्ट जारी है।"

पंजाब के एक पर्यटक राहुल ने कहा, "भारी बारिश हो रही है और हम होटल के कमरों के अंदर फंस गए हैं। बारिश के कारण हम कहीं बाहर नहीं जा सकते।"

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भी ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी, नासिक, पुणे और सतारा में भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, मंगलवार को दिल्ली के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। झमाझम बारिश से आम लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली।

न्यू ब्रीफ

अचानक मैकेनिक की दुकान पर पहुंचे राहुल गांधी

हाथ में पेचकस लेकर रिपेयर करने लगे बाइक

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दिल्ली के करोलबाग में मोटरसाइकिल मैकेनिकों की वर्कशाप का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उनसे बातचीत भी की। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर मैकेनिकों के साथ अपनी बातचीत की तस्वीरें पोस्ट की हैं। इसमें उन्होंने लिखा, उन हाथों से सीखें जो रिंच घुमाते हैं और देश के पहियों को गतिमान रखते हैं। कांग्रेस ने भी राहुल की इन तस्वीरों को साझा किया है। उसने इसके साथ लिखा, ये हाथ भारत का निर्माण करते हैं। इन कपड़ों पर लगी ग्रीस हमारा गौरव और स्वाभिमान है। केवल एक जननायक ही इन्हें प्रोत्साहित करने का काम कर सकता है। भारत जोड़ो यात्रा जारी है। बता दें कि 2024 के आम चुनाव में कुछ वक्त है, मगर इंटरनेट मीडिया पर इसका माहौल बनने लगा है। मंगलवार को कांग्रेस की ओर से जारी एक एनिमेशन वीडियो ने इंटरनेट मीडिया पर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी।

राष्ट्रपति ने विशिष्ट सेवा पदक से किया सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को सशस्त्र सेना एवं भारतीय तट रक्षक बल के 84 उव सैन्य अधिकारियों को विशिष्ट सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान असाधारण क्रम की विशिष्ट सेवा के लिए 52 को अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम), एक को बार एवीएसएम, तीन को उत्तम युद्ध सेवा मेडल (यूवाइएसएम) और 28 को परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम) से पुरस्कृत किया गया। ये पुरस्कार राष्ट्रपति भवन में आयोजित द्वितीय रक्षा अलंकरण समारोह में प्रदान किए गए। कश्मीर घाटी में एलओसी की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार चिनार कोर के पूर्व कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एडीएस औजला को यूवाइएसएम से पुरस्कृत किया गया। उनके अतिरिक्त कुमाऊं रेजीमेंट की 3 कोर के लेफ्टिनेंट जनरल राम चंदर तिवारी और पंजाब रेजीमेंट हेडक्वार्टर्स की 14 कोर के लेफ्टिनेंट जनरल अनदय सेनगुप्ता को भी यूवाइएसएम प्रदान किया गया। सेवानिवृत्त मेजर जनरल के. नारायणन को बार टू अति विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किया गया।

राजस्थान कांग्रेस प्रभारी, पीसीसी चीफ वेणुगोपाल से मिले, पार्टी के खाली पदों को लेकर चर्चा की

न्यूज ऑफ दि डे

नई दिल्ली । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनके पूर्व डिप्टी सचिन पायलट के लिए पार्टी के फॉर्मूले की घोषणा में देरी के बीच, राज्य प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और इकाई प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने यहां मंगलवार को पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात की। पार्टी नेताओं के अनुसार, रंधावा और डोटासरा ने वेणुगोपाल के साथ तीन सह-प्रभारी अमृता धवन, काजी निज़ामुद्दीन और वीरेंद्र सिंह राठौड़ के साथ उनके आवास पर मुलाकात की और रेगिस्तानी राज्य में पार्टी में रिक्त पदों को भरने सहित कई मुद्दों पर चर्चा की।

वेणुगोपाल ने राजस्थान के कई अन्य मुद्दों पर भी नेताओं से फीडबैक मांगा।पार्टी नेताओं ने यह भी संकेत दिया कि रंधावा और डोटासरा ने वेणुगोपाल को जिला अध्यक्षों और सचिवों समेत संगठन में होने वाली नियुक्तियों के नामों की सूची भी दी।इस पर हाईकमान की मंजूरी के बाद नियुक्तियां की जाएंगी।यह मुलाकात वेणुगोपाल की जयपुर में रंधावा और घोट से मुलाकात के कुछ दिनों बाद हुई है।मई में पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी के साथ हुई बैठक के बाद भी कांग्रेस ने अभी तक गहलोत और पायलट के लिए किसी फॉर्मूले या प्रस्ताव की घोषणा नहीं की है।

जोधपुर में रक्षामंत्री की जनसभा आज

सीएम के गृहक्षेत्र में बताएंगे सरकार के नौ साल साल की उपलब्धियां

न्यूज ऑफ दि डे

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 28 जून को जोधपुर में बड़ी जनसभा करने आएंगे। बालेसर में राजनाथ सिंह की आमसभा होगी। मोदी सरकार के नौ वर्ष की कल्याणकारी योजनाओं को लेकर बालेसर में विशाल आम सभा को रक्षामंत्री संबोधित करेंगे। साथ ही प्रदेश की गहलोत सरकार पर ही निशाना लगाएंगे।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ बालेसर में आयोजित विशाल आम सभा में राजस्थान बीजेपी के कई कद्दावर नेता

शामिल होंगे। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी समेत वरिष्ठ बीजेपी नेता, सांसद-विधायक आमसभा में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 09 वर्ष की कल्याणकारी योजनाओं को लेकर बालेसर में विशाल आम सभा 28 जून को शाम चार बजे आयोजित होगी, जिसे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह संबोधित करेंगे।

भारत की सीमाओं की सुरक्षा को लेकर राजनाथ सिंह देंगे बड़ा भाषण

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पश्चिमी राजस्थान मारवाड़ के गढ़ जोधपुर में आ रहे हैं। ये सीएम अशोक गहलोत और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत दोनों का गृह क्षेत्र है। ऐसे में यहां पर केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियों के साथ ही पड़ोसी देश पाकिस्तान को लेकर नीतियों और सरहद की सुरक्षा, सीमा पार से हो रही अवैध मादक पदार्थ तस्करी और हथियारों-ड्रोन के खिलाफ कार्रवाई, पर भी बोलेंगे।

एक बच्चा सहित 4 लोगों की मौत, 42 घायल

रूस ने यूक्रेन के दो शहरों पर मिसाइल से किया हमला

कीव,

रूस ने मंगलवार को यूक्रेन के दो शहरों क्रेमेनचुक और क्रामाटोर्स्क पर मिसाइल हमले किए। वहीं, क्रामाटोर्स्क के मध्य में सबसे व्यस्त जगह पर किए गए मिसाइल से हमले में एक बच्चे सहित कुल चार लोगों की मौत हो गई और 42 से अधिक लोग घायल हो गए। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

रूसी हमले में चार लोगों की मौत और 42 घायल

समाचार एजेंसी एएफपी ने पुलिस के हवाले से बताया कि रूस ने शहर पर सतह से हवा में मार करने वाली दो एस-300 मिसाइलें दागीं। यूक्रेनी आपातकालीन सेवा ने टेलीग्राम पर बताया कि हमले में 42 लोग घायल हो गए।

शहर के बीचो बीच हुआ हमला

डोनेट्स्क क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख पावलो किरिलेंको ने बताया कि

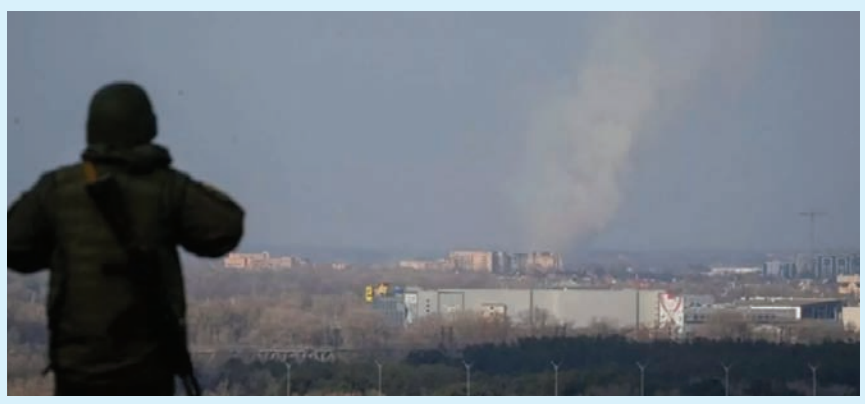

रूस का यूक्रेन पर यह हमला मंगलवार स्थानीय समय के मुताबिक करीब साढ़े सात बजे हुआ। उन्होंने कहा कि हम घायलों और मृतकों की संख्या का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमला जिस जगह पर हुआ वह शहर का केंद्र है और यहां नागरिकों के लिए भोजन की व्यवस्था की जाती है।

क्रेमेनचुक के एक गांव के बाहरी इलाके में गिरी मिसाइल

यूक्रेन के अधिकारियों के हवाले से सीएनएन ने बताया कि रूस ने दूसरा हमला क्रेमेनचुक के एक गांव में किया। हालांकि, इस दौरान मिसाइल गांव के बाहर जाकर गिरी। यूक्रेन के आंतरिक मामलों के मंत्री इहोर क्लिमेंको ने टेलीग्राम पर कहा कि रूस ने जानबूझकर भीड़-भाड़ वाले इलाकों को निशाना बना रहा है। मालूम हो कि ठीक एक साल पहले 27 जून 2022 को क्रेमेनचुक पर रूसी मिसाइल हमले में शॉपिंग मॉल में 22 लोग मारे गए थे।

संपादकीय...

नशे की समस्या से मुक्ति आवश्यक, महत्वपूर्ण है समाज की भूमिका

सैयद शाहनवाज अली
प्रधान संपादक

मादक पदार्थों यानी नशे के सेवन की समस्या वैश्विक स्तर पर भयानक रूप से फैल चुकी है। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस का विषय है- पीपुल फर्स्ट : स्टाप स्टिग्मा एंड डिस्क्रिमिनेशन, स्ट्रेंथेन प्रिवेंशन (कलंक एवं भेदभाव रोकें, रोकथाम बढ़ाएं)। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को रोकने के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाया जाता हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में 1989 से इसे मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाना है।

यह एक कटु सत्य है कि नशीले पदार्थों के सेवन से पीड़ित व्यक्ति को पारिवारिक एवं सामाजिक अलगाव और लोगों की उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। इससे निश्चित रूप से उन्हें मानसिक और शारीरिक कष्ट एवं आघात पहुंचता है। वे आवश्यक मदद से भी वंचित रह जाते हैं। इससे उनका और उनके परिवार का जीवन दयनीय और कठिन बन जाता है। इसलिए नशीली दवाओं की लत से छुटकारा दिलाने की नीतियों में एक जन-केंद्रित सोच की आवश्यकता है, जो मानव अधिकारों और करुणा पर लक्षित हो।

मादक पदार्थों की चपेट में आए पीड़ितों की सामाजिक और भावनात्मक उपचार के साथ मदद करना और इनकी अवैध तस्करी के बढ़ते जाल के बारे में प्रभावी कदम उठाना एक मुश्किल कार्य है। देश को नशे की समस्या से मुक्त कराने के लिए एक सामूहिक प्रयास और समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस वर्ष का अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मादक पदार्थों का उपयोग करने वालों एवं उनके परिवारों पर लगने वाले कलंक तथा भेदभाव के नकारात्मक प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है। नशा करने वाले लोगों में एड्स और हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारियां आम बात हैं। इस दिवस का एक अन्य उद्देश्य लोगों को इसकी जानकारी देने और इन रोगों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों का विस्तार करना भी है। इसमें नशा करने वाले सभी लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विकारों, उपलब्ध उपचारों और सहायता के महत्व के बारे में शिक्षित करना भी शामिल है।

नशे की समस्या की भयावहताः यूएन ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम (यूएनओडीसी) की वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट-2022 के अनुसार वर्ष 2020 में दुनिया भर में 15-64 आयु वर्ग के लगभग 28.40 करोड़ लोग नशीली दवाओं का उपयोग कर रहे थे, जो पिछले दशक की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, युवा अधिक मादक दवाओं का उपयोग कर रहे हैं। कई देशों में इनका उपयोग पिछली पीढ़ी की तुलना में बढ़ गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार साल 2020 में दुनिया भर में 1.12 करोड़ लोग ड्रग्स के इंजेक्शन का उपयोग कर रहे थे। इनमें से आधे लोग हेपेटाइटिस सी से पीड़ित थे। 14 लाख एचआईवी से ग्रस्त थे। 12 लाख ऐसे थे, जो दोनों समस्याओं से पीड़ित थे। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि नशा एक गंभीर समस्या है, जो दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करती है।

वर्ष 2018 के दौरान नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर, गाजियाबाद द्वारा एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण आयोजित किया गया था। इससे भारत में मादक पदार्थों के उपयोग और रुझान के बारे में पता चला। इसके अनुसार, तब देश में 10 से 17 वर्ष की आयु के 6.06 प्रतिशत बच्चे और किशोर शराब, भांग, अफीम, इनहेलेंट, कोकीन और कई प्रकार के उत्तेजक एवं मतिभ्रम दवाओं के सेवन में लिप्त पाए गए थे। जबकि 18 से 75 वर्ष की आयु के वयस्कों में यह आंकड़ा 24.71 प्रतिशत था। देश में नशीली दवाओं के बढ़ते दुरुपयोग को रोकने और लोगों को नशे की गंभीर समस्या से बाहर निकालने की हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक हितधारक इस संबंध में किए जा रहे सरकारी प्रयासों में सहयोग करे तो इस समस्या से मुकाबला करना आसान हो जाएगा।

नशे के खिलाफ अभियानः नशे की समस्या से लड़ने के लिए केंद्र सरकार ने नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिए एक योजना लागू की है, जिसके अंतर्गत लोगों को जरूरी शिक्षा देने, जागरूकता बढ़ाने, क्षमता निर्माण करने, कौशल विकास के लिए राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसी तरह 15 अगस्त, 2020 को नशा मुक्त भारत अभियान शुरू किया गया। इस अभियान में भारत के 272 जिलों को शामिल किया गया जिनमें 10 जिले हरियाणा के हैं। इसके तहत महिलाओं, बच्चों, शैक्षणिक संस्थानों, नागरिक संगठनों आदि जैसे हितधारकों की भागीदारी पर विशेष जोर दिया जाता है। देखा जाए तो मादक पदार्थों के दुरुपयोग से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यही सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। इस अभियान के तहत अब तक जमीनी स्तर पर की गई विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से 12 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा जा चुका है। इसके अलावा चार हजार से अधिक युवा मंडल, नेहरू युवा केंद्र और एनएसएस स्वयंसेवक भी इस अभियान से जुड़े हुए हैं। एक बड़े समुदाय तक पहुंचने में आंगनबाड़ी केंद्रों, आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, महिला मंडलों और महिला स्व-सहायता समूहों की दो करोड़ से अधिक महिलाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण रहा है।नशा मुक्त भारत अभियान के तहत देश भर में अब तक 1.19 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थानों ने छात्रों एवं युवाओं को मादक द्रव्यों के सेवन से पैदा होने वाली समस्याओं के बारे में शिक्षित करने के लिए गतिविधियां आयोजित की हैं। मादक पदार्थों की लत को जड़ से समाप्त करने के लिए स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (1985 का केंद्रीय अधिनियम-61) के अंतर्गत नियम अधिसूचित किए गए हैं।

विपक्षी एकता की राह में आड़े आएंगी क्षेत्रीय दलों की महत्वाकांक्षाएं

बिहार सत्याग्रह की भूमि रही है। जेपी क्रांति का बिगुल इसी बिहार से फूंका गया जिसने पूरे देश के राजनीतिक इतिहास को प्रभावित किया। ममता बनर्जी ने ठीक ही कहा कि बिहार से जो जनआंदोलन शुरू होता है, वह सफल होता है। चंपारण सत्याग्रह एक जन आंदोलन था। जेपी क्रांति जन आंदोलन था। लेकिन ममता दीदी को यह समझना होगा विपक्षी दलों की यह बैठक जन आंदोलन के लिए नहीं, बल्कि सत्ता प्राप्ति के लिए है

पटना में विपक्षी एकता की बैठक संपन्न हो चुकी है। पहली नजर में यह एक सफल बैठक नजर आती है लेकिन इसके कुछ विरोधाभास भी हैं। संभव है कि शिमला में जब विपक्षी एकता की अगली बैठक हो, तो यह विरोधाभास कुछ अधिक नजर आए। क्योंकि पाटलिपुत्र और शिमला के तापमान में सब दिन अंतर रहा है और आज भी यह अंतर बना हुआ है। बैठक के बाद हुई प्रेस कान्फ्रेंस में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने विपक्षी एकता के लिए अपने निजी महत्वाकांक्षाओं को त्याग करने का आह्वान किया। लेकिन उन्होंने विपक्षी एकता की महत्वपूर्ण धुरी कांग्रेस की भूमिका पर सवाल भी उठाए। उनके हिसाब से पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की भूमिका सही नहीं है। ऐसे में निजी महत्वाकांक्षाओं को त्याग करने का उनका आह्वान कितना सार्थक हो पाएगा यह भी शिमला में होने वाली बैठक में साफ हो जाएगा। वैसे ममता ने यह ठीक ही कहा है कि विपक्षी एकता के लिए निजी महत्वाकांक्षाओं को त्यागना होगा। लेकिन इन महत्वाकांक्षओं को त्यागना भी विपक्षी पार्टियों के लिए इतना आसान नहीं होगा। क्योंकि पटना में प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान ममता जब ये बातें कह रही थीं, तब उसी प्रेस कान्फ्रेंस से विपक्षी एकता की महत्वपूर्ण कड़ी अरविंद केजरीवाल, भगवंत सिंह मान और एमके स्टालिन गायब थे। इससे तो यही साबित होता है कि निजी महत्वाकांक्षाओं का त्याग विपक्षी पार्टियों के नेता इतनी आसानी से कर पाएंगे।

विपक्षी एकता की बैठक में पीडीपी ने कश्मीर से धारा 370 खत्म करने के मामले में 'आप' और अरविंद केजरीवाल से अपना स्टैंड क्लीयर करने को कहा। जबकि ममता ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाए। वहीं अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली अध्यादेश के मुद्दे पर कांग्रेस से अपना रुख साफ करने को कहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने क्षेत्रीय नेताओं को राज्यों में नेतृत्व देने की मांग की। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि अगर इन मुद्दों पर बात नहीं बनी तो सभी दल एकजुट होकर 2024 में चुनाव लड़ेंगे कैसे? विपक्षी एकता की बैठक से पहले 'हम' के जीतन राम मांझी एनडीए का दामन थाम चुके हैं। हालांकि जीतन राम मांझी के एनडीए में शामिल होने से न तो एनडीए मजबूत हो रहा है और न ही विपक्षियों के वोट बैंक पर इसका कोई असर पड़ता हुआ मुझे नजर आ रहा है। हाँ, लेकिन बिहार के दलित-महादलित समुदाय में एनडीए के प्रति माहौल बनाने में मांझी जरूर कारगर साबित हो सकते हैं। दलितों और महादलितों को लुभाने के लिए भाजपा के मयान में कई तलवारें हैं। जिनमें मांझी और लोजपा के दोनों गुट प्रमुख हैं। भाजपा अगर बिहार में भितरघात की चपेट में नहीं आती है तो दलितों-महादलितों के वोट को अपनी ओर मोड़ने में जरूर कामयाब होगी। क्योंकि सम्राट चौधरी के भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद बाहरी और भीतरी के मुद्दे पर पार्टी कई गुटों में बंटी हुई नजर आ रही है और एक गुट दूसरे गुट को पटखनी देने की हर संभव कोशिशें कर रहा है। बिहार में पिछली बार की तरह शानदार जीत के लिए भाजपा को इस विरोधाभास को दूर करना होगा।

बिहार सत्याग्रह की भूमि रही है। जेपी क्रांति का बिगुल इसी बिहार से फूंका गया जिसने पूरे देश के राजनीतिक इतिहास को प्रभावित किया। ममता बनर्जी ने ठीक ही कहा कि बिहार से जो जनआंदोलन शुरू होता है, वह सफल होता है। चंपारण सत्याग्रह एक जन आंदोलन था। जेपी क्रांति जन आंदोलन था। लेकिन ममता दीदी को यह समझना होगा विपक्षी दलों की यह बैठक जन आंदोलन के लिए नहीं, बल्कि सत्ता प्राप्ति के लिए है। चंपारण सत्याग्रह हो या जेपी क्रांति, यह सिर्फ सत्ता प्राप्ति के लिए किया गया जन आंदोलन नहीं था। इसने सामाजिक परिवर्तन लाने का भी काम किया। विपक्षी एकता की बैठक में शामिल होने पटना आए तमाम दिग्गज नेताओं को चंपारण सत्याग्रह और जेपी क्रांति की याद आई। बिहार हमेशा प्रतिरोध की आवाज का एक केंद्र रहा है। सत्ता भले ही बिहार को भूल जाए लेकिन सत्ता विरोधी कभी बिहार को नहीं भूलते। लेकिन विडंबना यही है कि सत्ता विरोधी भी जब सत्ता में शामिल होते हैं तो बिहार को भूल जाते हैं। विपक्षी एकता की बैठक के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने बड़ा कड़वा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह ठग ऑफ गठबंधन है। यह गठबंधन पूरे देश को मूर्ख बनाने का प्रयास कर रहा है। सभी भ्रष्टाचारी हैं। नीतीश कुमार को अपने भ्रष्टाचार का मॉडल दिखाना चाहिए। इन्हें पता नहीं कि पीएम का चेहरा कौन है। सभी के मन में लड्डू फूट रहे हैं। सभी पीएम बनने का सपना देख रहे हैं। एक-दूसरे को टोपी पहना रहे हैं। सम्राट चौधरी का बयान तभी झूठा साबित हो सकता है जब विपक्षी दल अपनी तमाम महत्वाकांक्षाओं का त्याग कर चुनाव लड़े। ममता दीदी को यह बात भली-भांति पता है कि छोटे-छोटे दलों की बड़ी-बड़ी महत्वाकांक्षाएं विपक्षी एकता के आड़े आ सकती हैं। कुछ महत्वाकांक्षाएं उनकी अपनी भी हैं जिसका त्याग करना बहुत मुश्किल काम है।

प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हम पुरानी घटनाओं को याद किए बिना आए हैं। मतलब उनके मन में अब कोई शिकायत नहीं है। असल में बिहार में कांग्रेस की ऐसी स्थिति है भी नहीं कि वह किसी के प्रति मन में कोई शिकायत रखे। क्योंकि बिहार में कांग्रेस को अगर कोई सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है तो वह भाजपा नहीं, बल्कि राजद है। और आज कांग्रेस की मजबूरी है कि वह इसी राजद के सहारे बिहार में अपनी नैया पार उतारना चाहती है। ठीक वैसे ही केंद्र में ये दल कांग्रेस के बिना अस्तित्व विहीन हैं। हालांकि बैठक से पहले ही भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लालू को यह याद दिलाने की कोशिश की कि कभी राहुल की दादी इंदिरा गांधी ने ही उन्हें 24 महीनों के लिए जेल भिजवाया था। बैठक में लालू, एमके स्टालिन, अखिलेश यादव और हेमंत सोरेन जैसे दिग्गज नेताओं ने क्षेत्रीय दलों के हिसाब से सीटें तय करने को कहा है। सभी पार्टियों के लिए कॉमन मिनिमम प्रोग्राम बनाने पर भी चर्चा हुई। यह काम भी इतना आसान नहीं है। इसके लिए भी कांग्रेस व अन्य विपक्षी पार्टियों को नाको चने चबाने होंगे। पश्चिम बंगाल सहित अन्य प्रांतों में क्षेत्रीय दलों के साथ जो कांग्रेस का अंतरविरोध है, उसे दूर करना होगा।

जदयू सहित अन्य छोटे-छोटे दल जो आज नीतीश कुमार को महागठबंधन का संयोजक बनाने पर सहमत हैं, उनके मन में आज भी इस बात के लड्डू फूट रहे हैं कि नीतीश पीएम मेटेरियल हैं। दूसरी ओर कांग्रेस है जो राहुल गांधी के अलावा शायद ही किसी अन्य को पीएम बनाने पर सहमत हो। असल में ममता दीदी जिस महत्वाकांक्षा की बात कर रही हैं, उस महत्वाकांक्षा के शिकार महागठबंधन में शामिल तमाम नेता हैं। चुनाव आने तक लाखा प्रयासों के बावजूद इन महत्वाकांक्षाओं की आपसी टकराहट भी नजर आएगी। क्योंकि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा, वैसे-वैसे ये महत्वाकांक्षाएं भी जोर मारने लगेंगी। ऐसे में संभव है कि कोई पीछे से खंजर भोंके तो कोई सामने से बंदूक ताने।

-सच्चिदानंद सच्चू

सत्कार्य करने की शक्ति देते हैं परमपुरुष

मनुष्य का लक्ष्य है एक स्थायी सत्ता, जिसके नहीं होने से कर्म स्थायी नहीं हो सकता है। कोई मनुष्य यदि कुछ स्थायी करना चाहता है, कोई नई चीज बनाना चाहता है और समाज का कल्याण करना चाहता है तथा मनुष्य के रूप में जीवन में जो चाहा है, उसे अगर प्रतिष्ठित करना चाहता है, तब उसे आध्यात्मिक जीवन में प्रतिष्ठित होना ही होगा। भक्ति और प्रेरणा को छोड कर मनुष्य कुछ भी कर नहीं सकता।

जीवन का वास्तविक लक्ष्य आध्यात्मिक हुए बिना नहीं पाया जा सकता। और इसके लिए भक्ति चाहिए। भक्ति के लिए कर्म करना पडेगा। अगर आप इस दिशा में आगे बढते हैं, तो परमात्मा आपकी मदद जरूर करेंगे।

अभी भी देखा जाता है कि साधना से, कर्म से, मनुष्य के भीतर आध्यात्मिक प्रेरणा और भक्ति जग जाती है। अनेक लोग सम्भवत- सोच सकते हैं कि बिना ज्ञान, कर्म साधना किए उनकी भक्ति कैसे जगी? तो इसके उत्तर में मैं कहूंगा- यह उनके पूर्व-कृत कर्म की प्रतिक्रिया है। कभी अर्थात पूर्वजन्म में उसने जो ज्ञान और कर्म की साधना की थी, उसके फल के रूप में इस जीवन में ज्ञान और कर्मसाधना बिना किए ही उसे भक्ति मिली है। अनेक लोगों की यह धारणा है कि भक्ति के साथ ज्ञान और कर्म का कोई सम्पर्क नहीं है, किन्तु इस प्रकार सोचना बिल्कुल गलत है। भक्ति कभी भी ज्ञान वर्जित या कर्म वर्जित नहीं हो सकती। भक्ति, ज्ञान और कर्म का समन्वय है- इसलिए भक्ति में ज्ञान और कर्म की पराकाष्ठा रहनी ही होगी। कोई यदि सोचे कि चौबीस घंटा दरवाजा बंद कर प्राणायाम करता रहेगा, तो इस स्थिति में वह अभीष्ट को प्राप्त नहीं कर पाएगा, क्योंकि उसके भीतर जडता है, कर्म का अभाव है; और भक्ति तो ज्ञान और कर्म का समन्वय है। इसलिए कोई यदि चौबीस घंटा जप-तप ही किए जाए, तो वह इष्ट को नहीं पा सकता। वह कर्म का गुलाम हो जाएगा, उसका स्वभाव यंत्र के जैसा हो उठेगा। यंत्र भी खूब खटता है, खूब घूमता-फिरता है, किन्तु क्या इसीलिए उस यंत्र के द्वारा ज्ञान और भक्ति साधना सम्भव है? ज्ञान और कर्म ठीक गंगा-यमुना जैसे हैं, इन दोनों के मिल जाने से ही जीवन की सार्थकता उपलब्ध होती है। जिसके भीतर भक्ति जगी है, उसे उपयुक्त कार्य में रत होना ही होगा, काम उसे चुन लेना ही होगा। यदि वह स्वयं नहीं समझ सके कि उसे क्या कार्य करना है, वह दूसरे से परामर्श लेगा, किन्तु सब समय उसे कार्य करते जाना होगा। चूंकि उसमें जो भक्ति जगी है, उसके अन्दर आध्यात्मिक प्रेरणा जगी है, जिस कार्य में वह हाथ लगाएगा, उसमें वह सफलता पाएगा ही। कार्य में कूद जाने से, कार्य में उतर पडने से, देखोगे कि तुम सब कुछ कर सकते हो। कभी नहीं सोचो कि क्या मैं कर सकूंगा? कार्य में उतरो, उसे अवश्य, अवश्य ही कर सकोगे। जब समाज के कार्य में लग जाओगे, तब समाज तुम्हारी कभी अवहेलना नहीं कर सकता, समाज की अग्रगति के माध्यम से ही जीवन को परिपूर्णता मिलेगी।

जड जगत के संवेग या आकर्षण से मानस जगत् का संवेग या आकर्षण बहुत अधिक शक्तिशाली है। और आध्यात्मिक जगत का संवेग या आकर्षण और भी अधिक शक्तिशाली है। मनुष्य यदि संदेह से सोचे कि क्या मैं कर सकूंगा, मेरे द्वारा क्या कार्य होगा- इस तरह यदि वह कार्य करना आरम्भ करे, तो उसके द्वारा कभी भी कार्य नहीं हो सकेगा। साहस के साथ अपने लक्ष्य पर ध्यान रख, आध्यात्मिक प्रेरणा के द्वारा सराबोर होकर यदि वह कार्य आरम्भ करे, तो सफलता उसे मिलेगी ही। कोई भी कार्य मनुष्य से बडा नहीं है। पृथ्वी पर, वास्तविक जगत में, व्यावहारिक जगत में, जो कुछ हम लोग पाते हैं, जो कुछ हमारी पकड में आता है- उनमें सबसे बडा और शक्तिशाली मनुष्य है। सभी कार्यों से मनुष्य बडा है। केवल कार्य की सिद्धि या असिद्धि के ऊपर निर्भर कर; पवित्रता या अपवित्रता की दीवार बना हम लोग मनुष्य के मान का निर्धारण करते हैं। मनुष्य के साथ कार्य का इतना ही सम्बंध है। मनुष्य जो कार्य करता है, वह यदि सिद्ध हो, पवित्र हो, बृहत् हो, तो हम लोग महान मान कर स्वीकार करते हैं। इसलिए किसी कार्य को करने के पहले विवेचक मन से जब सोच कर देखोगे कि कार्य सत् है, तो उसी मुहूर्त में कर्म समुद्र में कूद पडोगे। तुम्हारी जय होनी ही है।

साधारणत- मनुष्य जिस कार्य में हाथ लगाने लगता है, वह सिद्ध है या असिद्ध, पवित्र है या अपवित्र, यह विचार कर नहीं देखता है। सोचता है, कार्य वह कर सकेगा या नहीं ! जब वह देखेगा कि यह कर्म कल्याणप्रद है, तभी उसे कूद पडना होगा; क्योंकि जिस सत् बुद्धि ने प्रेरणा दी है, उसके आधार हैं परमपुरुष। इसलिए उस कार्य को भलीभांति करने की शक्ति वे निश्चय ही देंगे।

किसी भी व्यक्ति में जन्म से होते हैं चार गुण

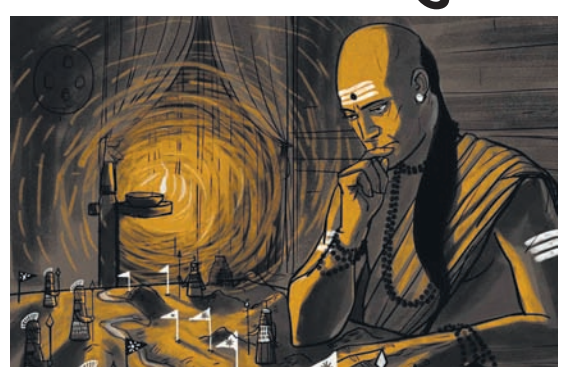

कहते हैं कि कोई अपना व्यवहार बदल सकता है लेकिन अपनी प्रकृति नहीं, जैसे धरती के आने के बाद इंसान अपने अनुभवों, परवरिश, ज्ञान आदि माध्यमों से बहुत कुछ सीखता है लेकिन फिर भी व्यक्ति में कुछ चीजें प्राकृतिक रूप से होती है, जिसे कभी बदला नहीं जा सकता या ये बातें उन्हें कोई भी नहीं सिखा सकता। चाणक्य नीति में इन गुणों का उल्लेख किया गया है-

दान

दान का अमीर-गरीब या कम-ज्यादा से कोई लेना-देना नहीं होता। दान करने की एक प्रकृति होती है, जो लोगों में जन्मजात होती है। जिसके पास भंडार भरे रहते हैं, वो यह गुण न होने पर दान नहीं करता, जबकि मध्यवर्गीय व्यक्ति अपने हिस्से में से कुछ हिस्सा जरुरतमंद को दान कर देता है। दान देने वाले लोगों में दूसरों के दुख को समझने का गुण होता है। वो दूसरे के दुख से दुखी हो जाता है।

धैर्य

आप किसी भी इंसान को धैर्य रखने का पैमाना नहीं सिखा सकते। सभी में धैर्य रखने की अलग-अलग क्षमता होती है। धैर्य रखना भी एक प्राकृतिक गुण है, जिसे विकसित करना बेहद मुश्किल है। किसी व्यक्ति में ज्यादा धैर्य होता है और किसी भी बेहद कम।

निर्णय क्षमता

आपने अपने आसपास ऐसे बहुत लोगों को देखा होगा, जो अपने फैसले के लिए दूसरों पर निर्भर रहते हैं। वहीं, ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जो किसी बडे पद पर होते हुए भी निर्णय नहीं ले पाते हैं। वहीं, कुछ लोगों की निर्णय क्षमता बहुत तेज होती है।

मधुर वाणी

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जो हमेशा लोगों से रुखेपन से बात करते हैं। सकारात्मक बात पर भी उनका नजरिया बहुत ही रुखा होता है और वो कडवा बोल देते हैं। ऐसे में प्राकृतिक रूप से मधुर वाणी का गुण लेने वाला व्यक्ति कभी भी कडवा बोलने की पहल नहीं करता। कडवे बोल सुनकर एक समय बाद उसकी प्रतिक्रिया जरूर कडवी या रुखी हो सकती है।

सोरों सूकरक्षेत्र में अस्थियाँ विसर्जित का विशेष महत्व

सोरों सूकरक्षेत्र भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में कासगंज जनपद का एक नगर है। यहाँ प्रत्येक अमावस्या, सोमवती अमावस्या, पूर्णिमा, रामनवमी, मोक्षदा एकादशी आदि अवसरों पर तीर्थयात्रियों का बड़ी संख्या में आवागमन होता है और गंगा में स्नान कर पुण्य प्राप्त करते हैं। यहाँ अस्थि विसर्जन का विशेष महत्त्व है। यहाँ स्थित कुण्ड में विसर्जित की गईं अस्थियाँ तीन दिन के अन्त में रेणुरूप धारण कर लेती हैं। यह महाकवि गोस्वामी तुलसीदास की जन्मभूमि है। सोरों सूकरक्षेत्र के तीर्थपुरोहित जगत् विख्यात हैं। इनके पास प्रत्येक परिवार के पूर्वजों का इतिहास हैं।

मोक्ष स्थली सोरों जहां पृथ्वी का उद्धार भगवान ने वराह रूप में किया सुधांशु निर्भय पृथ्वी के पुनर्संस्थापन के उपरांत पृथ्वी को ज्ञानोपदेश एवं अपनी वराह रूपी देह का विसर्जन परमात्मा ने जिस पुण्य क्षेत्र में किया वह स्थान आज भी सोरों (शूकर क्षेत्र) के नाम से जन-जन की श्रद्धा के केंद्र के रूप में विद्यमान है। भगवान वराह के पुण्य प्रभाव से इस स्थान को विश्व संस्कृति के उद्गम स्थलों में से एक माना गया है। बात उस समय की है, जब दैत्यराज हिरण्याक्ष पृथ्वी को जल के अंदर ले गया। तब उसके उद्धार हेतु भगवान ने वराह रूप में लीला करने का निश्चय किया। पृथ्वी के पुनर्संस्थापन के उपरांत पृथ्वी को ज्ञानोपदेश एवं अपनी वराह रूपी देह का विसर्जन परमात्मा ने जिस पुण्य क्षेत्र में किया वह स्थान आज भी सोरों (शूकर क्षेत्र) के नाम से जन-जन की श्रद्धा के केंद्र के रूप में विद्यमान है। भगवान वराह के पुण्य प्रभाव से इस स्थान को विश्व संस्कृति के उद्गम स्थलों में से एक माना गया है। भगवान श्री वराह के देह विसर्जन के प्रभाव के कारण यहां स्थित हरिपदी गंगा में मृतक की अस्थियां प्रवाह के तीसरे दिन ही जल में विलीन हो जाती हैं। विश्व में कोई दूसरा ऐसा स्थल नहीं है जहां अस्थि गलती हो। भागीरथी गंगा यद्यपि हम सभी के लिए परम पुण्यप्रदा है किंतु उसके जल में भी अस्थि गल नहीं पाती। आधुनिक वैज्ञानिक प्रयासों के बावजूद इस जल की इस विशेषता के रहस्य का पता नहीं लगा पाए हैं। यह वही शूकर तीर्थ है जो कालांतर में वराह अवतार से पूर्व कोकामुख कुब्जाभ्रक तीर्थ के नाम से विख्यात था। श्री वराह दर्शन इस क्षेत्र के प्रधान मंदिर श्री वराह मठ का 17वीं शताब्दी में नेपाल नरेश ने जीर्णोद्धार कराया था। इस मठ में प्रधान देव श्री क्षेत्राधीश वराह अपने श्वेत-वर्ण विग्रह में मां लक्ष्मी के साथ सुशोभित हैं। साथ ही इसके प्रांगण में भगवान के विराट रूप का अलौकिक दर्शन भी होता है। श्री हरि गंगा क्षेत्राधीश श्री वराह मंदिर के बिल्कुल सामने प्रतिष्ठित श्री हरि गंगा का विशाल कुंड मृत आत्माओं की मुक्ति के साक्षात पर्व के रूप में विद्यमान है। यह वही पवित्र कुंड है जहां विसर्जित अस्थियां तीन दिन के अंदर जल में विलीन हो जाती हैं। श्री ग्रधवट तीर्थ इस पवित्र भूमि के अंदर ही 'ग्रधवट तीर्थ' है जहां आदिकालीन विश्व का एक मात्र प्राचीनतम वटवृक्ष 'ग्रधवट' विद्यमान है। विश्व के सर्वाधिक प्राचीन वृक्षों में अभयवट (प्रयाग में), सिद्धवट (उज्जैन में), वंशीवट (वृंदावन में) एवं ग्रधवट शूकरक्षेत्र सोरों में माने गए हैं। इसी ग्रधवट तीर्थ के वर्तमान प्रांगण में 'श्री' विद्या का यांत्रिक स्वरूप संभवतः विश्व की एकमात्र कृति है। 'कूर्मपृष्ठीय श्री यंत्र' का यह स्वरूप कहीं और देखने को नहीं मिलता। इसकी प्रतिष्ठा आदि शंकराचार्य जी ने की थी। वैवस्वत तीर्थ यह वह स्थान है जहां भगवान सूर्य ने सहस्रों वर्ष तप किया था। उनके इस कृत्य से अति प्रसन्न होकर प्रभु ने दर्शन दिए एवं उनकी इच्छा के अनुसार 'गीता' का उपदेश सर्वप्रथम दिया। बहुत कम विद्वान इस तथ्य से परिचित होंगे कि महाभारत में श्रीकृष्ण के अर्जुन को 'गीतोपदेश' से काफी पूर्व श्री गीता रहस्य को श्री हरि ने इसी शूकरक्षेत्र में भगवान सूर्य को समझाया था। सोमतीर्थ भगवान चंद्रदेव ने अपने शाप से मुक्त होने के लिए इस पावन धरा पर सहस्रों वर्ष कभी शिरोमुख कभी अधोमुख नाना प्रकार से तपस्या की थी तो भगवान ने प्रसन्न होकर उन्हें न केवल शापमुक्त किया वरन यह वर दिया कि हे चंद्र! तुम्हारी साधना के प्रभाव से वर्ष में एक दिन यहां का जल दूध का रूप ले लेगा एवं जगविख्यात होगा। आज भी चैत्र शुक्ला नवमी को यहां स्थित कूप का जल दूध का रूप ले लेता है। तुलसी स्मारक मंदिर विश्व को 'रामचरित मानस' की अनुपम कृति देने वाले गोस्वामी श्री तुलसीदास जी का जन्म यहीं शूकर क्षेत्र में हुआ एवं उनकी शिक्षा-दीक्षा भी यहीं श्री नृसिंह पाठशाला में संपन्न हुई थी। आज भी गोस्वामी श्री तुलसीदास जी एवं उनके गुरु श्री नरहरि जी के वंशज जीवित हैं। तुलसीदास जी के मकान के जीर्णावशेष आज भी विद्यमान हैं। हरिपदी गंगा के मध्य सन् 1945 में तत्कालीन जिलाधीश द्वारा स्थापित गोस्वामी की सुंदर प्रतिमा उनके स्मारक के रूप में आज भी विद्यमान है। महाप्रभु बल्लभाचार्य की बैठक बल्लभ संप्रदाय के अनुयायियों की श्रद्धा का केंद्र उनकी चैरासी बैठकों में से तेईसवीं बैठक इसी पावन भूमि पर स्थित है। यहाँ विट्ठलनाथ जी की व गुंसाइ जी की भी बैठक विद्यमान है।

तीर्थ स्थल

यह उत्तर भारत का प्रमुख तीर्थ स्थल है, जो शूकरक्षेत्र के रूप में विख्यात है। शूकरक्षेत्र उत्तर प्रदेश में जनपद- कासगंज से 15 किमी0 दूर है। इस तीर्थ का पौराणिक नाम 'ऊखल तीर्थ' है। प्राचीन समय में सोरों शूकरक्षेत्र को 'सोरेय्य' नाम से भी जाना जाता था। सोरों शूकरक्षेत्र के प्राचीन नाम 'सोरेय्य' का उल्लेख पाली साहित्य में भी है।

ऐतिहासिक महत्व

पहले सोरों शूकरक्षेत्र के निकट ही गंगा बहती थी, किंतु अब गंगा दूर हट गई है। पुरानी धारा के तट पर अनेक प्राचीन मन्दिर स्थित हैं। यह भूमि भगवान् विष्णु के तृतीयावतार भगवान् वाराह की मोक्षभूमि एवं श्रीरामचरितमानस के रचनाकार महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी तथा अष्टछाप के कवि नंददास जी की जन्मभूमि भी है। तुलसीदास जी ने रामायण की कथा अपने गुरु नरहरिदास जी से प्रथम बार यहीं पर सुनी थी। नंददास जी द्वारा स्थापित बलदेव का स्यामायन मन्दिर सोरों शूकरक्षेत्र का प्राचीन मन्दिर है। पौराणिक गृद्धवट यहाँ स्थित है। श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य जी की 23 वीं बैठक है। यहाँ हरि की पौड़ी में विसर्जित की गयीं अस्थियाँ तीन दिन के अन्त में रेणु रूप धारण कर लेती हैं, ऐसा आज भी प्रत्यक्ष प्रमाण है। यहाँ भगवान् वाराह का विशाल प्राचीन मन्दिर है। मार्गशीर्ष मेला यहाँ का प्रसिद्ध मेला है।

पुरावशेष

भागीरथी गंगा नदी के तट पर एक प्राचीन स्तूप के खण्डहर भी मिले हैं, जिनमें सीता-राम के नाम से प्रसिद्ध मन्दिर स्थित है। कहा जाता है कि इस मन्दिर का निर्माण राजा बेन ने करवाया था। प्राचीन मन्दिर काफ़ी विशाल था, जैसा कि उसकी प्राचीन भित्तियों की गहरी नींव से प्रतीत होता है। अनेक प्राचीन अभिलेख भी इस मन्दिर पर उत्कीर्ण हैं, जिनमें सर्वप्राचीन अभिलेख 1226 विक्रम सम्वत्1169 ई. का है। इस मन्दिर को 1511 ई. के लगभग सिकन्दर लोदी ने नष्ट कर दिया था।

श्रीकृष्ण की मित्रता से सीख सकते हैं जीवन के सत्य

श्रीकृष्ण को केवल भगवान ही नहीं माना जाता बल्कि उन्हें आधुनिक युग पुरुष भी कहा जाता है। उनके जीवन से हम बहुत-सी ऐसी बातें सीख सकते हैं, जो आज भी सार्थक है। जैसे, उनकी मित्रता को समझकर हम ऐसी कई बातें सीख सकते हैं, जो जीवन का सत्य है-

अर्जुन

अर्जुन और श्रीकृष्ण से जुडे कई प्रसंग महाभारत में मिलते हैं। कृष्ण कुंती को बुआ कहते थे लेकिन उन्होंने हमेशा ही अर्जुन को मित्र माना। कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर श्रीकृष्ण अर्जुन के सारथी बनकर उन्हें सच्चाई पर चलते हुए न्याययुद्ध का पाठ पढाया जिसकी वजह से अर्जुन में युद्ध करने का साहस आया। उन्होंने हर विपदा में अर्जुन का साथ दिया यानि अपने मित्र को प्रोत्साहित करना चाहिए।

द्रौपदी

महाभारत में द्रौपदी के चीरहरण के निंदनीय प्रसंग के बारे में तो सभी जानते होंगे। इस दौरान जब सभी महायोद्धा मौन हो गए थे तो श्रीकृष्ण ने वहां उपस्थित न होते हुए भी द्रौपदी का चीरहरण होने से बचा लिया। इस घटना से हम सीख सकते हैं कि विपदा में कभी भी किसी तरह का बहाना न बनाते हुए अपने मित्र की सहायता करनी चाहिए।

अक्रूर

अक्रूर का सम्बध में श्रीकृष्ण के चाचा लगते थे लेकिन उन्हें मित्र मानते थे। दोनों की उम्र में ज्यादा अंतर नहीं था। अक्रूर और श्रीकृष्ण की मित्रता से हम ये सीख सकते हैं कि खून के रिश्तों में भी एक प्रकार की मित्रता का तत्व होता है यदि मन को साफ रखा जाए तो पारिवारिक सम्बधों में हुई दोस्ती समय के साथ काफी मजबूत होती है। रक्त सम्बधों में हुई मित्रता को अक्रूर और कृष्ण की दोस्ती से समझा जा सकता है।

सात्यकि

नारायणी सेना की कमान सात्यकि के हाथ में थी। अर्जुन से सात्यकि ने धनुष चलाना सीखा था। जब कृष्ण जी पांडवों के शांतिदूत बनकर हस्तिनापुर गए तब अपने साथ केवल सात्यकि को ले गए थे। कौरवों की सभा में घुसने के पहले उन्होंने सात्यकि से कहा कि यदि युद्धस्थल पर मुझे कुछ हो जाए, तो तुम्हें पूरे मन से दुर्योधन की मदद करनी होगी क्योंकि नारायणी सेना तुम्हारे नेतृत्व में रहेगी। सात्यकि सदैव श्रीकृष्ण के साथ रहते थे और उनपर पूरा विश्वास करते थे। मित्रता में विश्वास के सिंद्धात को इनकी मित्रता से समझा जा सकता है।

सुदामा

जब-जब मित्रता की बात होती है श्रीकृष्ण और सुदामा का नाम जरूर लिया जाता है। एक प्रसंग में जब गरीब सुदामा श्रीकृष्ण के पास आर्थिक सहायता मांगने जाते हैं तो श्रीकृष्ण उन्हें मना नहीं करते बल्कि समृद्ध और संपन्न कर देते हैं। इसके अलावा सुदामा द्वारा उपहार स्वरूप लाए गए चावल के दानों को प्रेमपूर्वक ग्रहण करते हैं। इनकी मित्रता से हम कई बातें सीख सकते हैं।

सक्सेस मंत्र: सफलता के लिए खुद पर भरोसा करना जरूरी

कुछ लोग इतने संवेदनशील होते हैं कि अगर उनका उत्साह टूट जाए तो वे हिम्मत हार जाते हैं। किसी एक क्षेत्र में मिली हार के बाद वे प्रयत्न करना ही बंद कर देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि योग्यता होने के बावजूद वह औसत या उससे भी निचले दर्जे के व्यक्ति बनकर रह जाते हैं। लोग यह भूल जाते हैं कि जीवन किसी एक की सफलता पर आधारित नहीं वह तो निरंतर श्रम और प्रयत्न पर निर्भर है। इसलिए हमें कभी भी अपनी परिस्थितियों के आगे घुटने नही टेकने चाहिए बल्कि उनका डट कर मुकाबला करना चाहिए और हिम्मत और धैर्य से काम लेना चाहिए। आज हम आपको एक ऐसे ही व्यक्ति के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे हमें काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

एक युवक ने नामी यूनीवर्सिटी से ग्रैजुएशन की पढ़ाई पूरी की। उसमें स्वाभिमान कूट-कूटकर भरा था। उसने विश्वविद्यालय की शिक्षा भी अपने प्रयत्नों से, अपने श्रम से धन जुटाकर पूरी की और अब उसके पास कुछ भी पूंजी शेष न थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह नौकरी खोजने लगा। कई महीने तक उसे नौकरी नहीं मिली। वह निराश हो गया। पैसे खत्म हो जाने के कारण उसे दो दिन से खाना भी नहीं मिल पाया था और किराया न दे पाने की वजह से उसे अपना कमरा भी छोडना पडा। अब वह रात में पार्क की बेंच पर सोने लग गया था। उसे निराशा ने घेर लिया और अपना जीवन बेकार लगने लगा।

वह नौकरी के लिए जहाँ भी जाता, नौकरी न मिलती। अंत में निराश होकर उसने नौकरी ढूंढ़ना ही छोड दिया। उसे लगा कि उसके भविष्य में प्रकाश की एक किरण भी बाकी नहीं बची। उसके कपड़े भी फटने लग गए थे। पैसों की कमी और भूख के कारण उसकी दशा बहुत ज्यादा खराब हो गई थी। इस वजह से नौकरी के लिए इंटरव्यू में जाने का आत्मविश्वास भी उसमें नहीं बचा था।

काफी कोशिशों के बाद उसे एक रद्दी से होटल में बर्तन मांजने की नौकरी मिली। इससे उसे खाना तो जैसे-तैसे मिलने लगा, लेकिन सोने के लिए अब भी उसे बाग में पडी बेंच का सहारा लेना पडता था। एक रात वह अपने भविष्य की चिंता में लेटा हुआ था कि अचानक उसे आसमान में मोटे-मोटे लाल अक्षरों में लिखा दिखाई दिया- 'अपने पर विश्वास रखो।'

सारी रात वह सो नहीं सका। व्याकुलता से वह सुबह होने की प्रतिक्षा करने लगा। सुबह होते ही उसने अपने मन में वह बात पुनः दोहराई - 'अपने पर विश्वास रखो।' वह उठा और नदी किनारे गया। वहां जाकर उसने हाथ-मुंह धोकर अच्छी तरह दाढी बनाई। उसके बाद वह एक मोची के पास गया और उससे बूट पॉलिश मांगकर अपने जूतों को चमकाया। तब मन में दृढ-संकल्प के साथ नौकरी खोजने लगा।

अब वह किसी कार्यालय में जाता तो उसका स्वागत होता था। अब वह चोर नहीं लग रहा था। उसके वस्त्र विशेष अच्छे नहीं थे, पर उसके मुख पर आत्मविश्वास की झलक थी। वह जो कहता था, उससे भी आत्मविश्वास झलकता था। सौभाग्य से उसे नौकरी मिल गई। नौकरी उतनी अच्छी न थी, जितनी वह चाहता था या इच्छा करता था, लेकिन फिर भी काफी अच्छी थी। सबसे बडी बात यह थी की वह अपनी समस्या को सुलझाने में सफल हो गया था।

कई बार व्यक्ति परिश्रम तो कर रहा होता है, परंतु उसे उसका फल प्राप्त नहीं होता। इसमें आश्चर्य करने की कोई बात नहीं, क्योंकि कभी-कभी व्यक्ति काम अपनी ही आशाओं व आकांक्षाओं के विरुद्ध कर रहा होता है। वह जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहता है, परिश्रम उससे उल्टा कर रहा होता है।

हमें विपरीत परिस्थितियों में घबराना नहीं चाहिए, अपने पर विश्वास रखना चाहिए और धैर्यपूर्वक सही दिशा में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कडी मेहनत करनी चाहिए। ऐसा करने से हमें सफलता निश्चित ही मिलेगी, इसे कोई रोक नहीं सकता।

BOLLYWOOD NEWS FLASH

धनुष

की 'कैप्टन मिलर' पर आया बड़ा अपडेट

तमिल सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म कैप्टन मिलर को लेकर जबर्दस्त सुर्खियों में हैं। वहीं, अब इस फिल्म पर निर्माता जी. धनंजयन ने बड़ा अपडेट दिया है। धनंजयन ने खुलासा किया है कि मूवी को तीन पार्ट में विभाजित करने की योजना बनाई गई है, क्योंकि कहानी दिन पर दिन बड़ी होती जा रही है। जी. धनंजयन ने हालिया इंटरव्यू में साझा किया, अरुण मथेश्वरन एक बहुत अच्छे फिल्ममेकर हैं। उनका दृश्य सौंदर्यशास्त्र शीर्ष पर है। यही कारण है कि, रॉकी और सानी कायिधाम देखने के बाद, धनुष सर ने उन्हें यह अवसर दिया। हालांकि, उनकी फिल्में नाटकीय रूप से नहीं चलीं, लेकिन धनुष ने उनके साथ काम करने के लिए मजबूर महसूस किया क्योंकि अरुण मथेश्वरन की प्रतिभा बहुत बड़ी है। वह एक खूबसूरत संवाद लेखक और एक शानदार फिल्म निर्माता हैं।

फिल्ममेकर अरुण मथेश्वरन ने गंभीर गैंगस्टर ड्रामा रॉकी के साथ सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। फिल्म 2021 में सीमित नाटकीय रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई। हालांकि, इसकी मनोरंजक दृश्य शैली, एक्शन और हिंसक दृश्यों को संभालने का उनका अनूठा स्वाद अरुण का कॉलिंग कार्ड बन गया। रॉकी के बाद अरुण मथेश्वरन ने सानी कायिधाम नाम की एक और डार्क और हिंसक फिल्म बनाई। फिल्म को सीधे अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया और इसे काफी आलोचनात्मक प्रशंसा मिली। यह दो भाई-बहनों की कहानी है, जो अपने प्रियजनों का बदला लेने के लिए हत्या की होड़ में लग जाते हैं। वहीं, कैप्टन मिलर को लेकर जी धनंजयन ने साझा किया, यह फिल्म उनके लिए बड़ी सफलता है, और इस फिल्म के प्रति धनुष का समर्पण भी बहुत बड़ा है। कहानी इतनी अच्छी है कि शिवराजकुमार भी इसका हिस्सा बने हैं। आज यह इतना बड़ा उत्पादन बन गया है। जैसे-जैसे वे इसे बनाते जा रहे हैं, फिल्म बड़ी होती जा रही है। मैं सुन रहा हूं कि फिल्म निर्माताओं ने इसे 3-भाग वाली फिल्म बनाने की योजना बनाई है।

शाहरुख खान की फिल्म के साथ डेब्यू करेंगी

सुहाना खान

शाहरुख खान की लाडली बेटी सुहाना खान हमेशा लाइमलाइट में रहती हैं। सुहाना अपनी खूबसूरती के साथ साथ अपने स्मार्ट फैशन स्टाईल के लिए भी मशहूर हैं। किंग खान की लाड़ली जल्द ही सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं। बॉलीवुड में एंट्री करने के लिए वह पूरी तरह से तैयार हैं। सुहाना खान, जोया अख्तर की आगामी फिल्म द आर्चीज़ के साथ अपने अभिनय डेब्यू को लेकर बहुत उत्साहित हैं। यह सुहाना का ओटीटी डेब्यू होगा। इसके अलावा एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा माना जा रहा है कि सुहाना अपने थिएटर डेब्यू के लिए भी पूरी तरह तैयार हैं। नये प्रोजेक्ट में उनके साथ कोई और नहीं बल्कि उनके सुपरस्टार पिता शाहरुख खान होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख अपनी बेटी की पहली थिएटर रिलीज का निर्माण कर सकते हैं। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार निर्माताओं ने कहानी 2 फेम फिल्म निर्माता सुजॉय घोष को इस परियोजना का निर्देशन करने के लिए चुना है। एक करीबी सूत्र ने प्रमुख दैनिक को बताया, शाहरुख खान और सुजॉय घोष ने अमिताभ बच्चन और तापसी पन्नू अभिनीत बदला में निर्माता और निर्देशक के रूप में एक साथ काम किया है। यह जोड़ी अब इस फिल्म के लिए कई भूमिकाओं में फिर से साथ आएगी। यह एक एक्शन थ्रिलर है होगी। फिल्म से जुड़ी और जानकारी अभी प्राइवेट रखी गयी हैं। सुजॉय भी निर्देशक के रूप में एक नई शैली तलाशने के लिए उत्साहित हैं। यह फिल्म पठान के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद मार्फ्लिक्स और एसआरके की रेड चिलीज़ के सहयोग को भी चिह्नित करेगी। सूत्र ने आगे कहा, सिद्धार्थ आनंद एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और शाहरुख फिल्म निर्माता के साथ मिलकर फिल्म के लिए बड़े एक्शन ब्लॉक बनाने में सहयोग कर रहे हैं। विचार सर्वोत्तम संसाधनों के साथ एक समझौताहीन सिनेमाई अनुभव प्रदान करना है। वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान अगली बार नयनतारा के साथ जवान में नजर आएंगे। एटली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विजय सेतुपति भी हैं। सुपरस्टार के पास तापसी पन्नू के साथ डंकी भी है।

महेश बाबू ने खरीदी गोल्ड रेंज रोवर

महेश बाबू उन अभिनेताओं में से एक हैं जो अपनी विशाल फैन फॉलोइंग और आकर्षक कार कलेक्शन के लिए जाने जाते हैं। अपनी प्रभावशाली जीवनशैली को बढ़ाने के लिए, उन्होंने अपने संग्रह में एक रेंज रोवर एसवी को जोड़ा। शहर में चर्चा का विषय कार की बेतहाशा कीमत है। पोकिरी अभिनेता ने रेंज रोवर को 5.4 करोड़ रुपये में खरीदा है। इस ब्रांड की कार ज्यादातर मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों द्वारा पसंद की जाती है। चिरंजीवी, जूनियर एनटीआर और नागा चैतन्य सहित टॉलीवुड अभिनेताओं के पास रेंज रोवर्स हैं। महेश बाबू को रेंज रोवर का सबसे महंगा संस्करण - गोल्ड संस्करण मिला। इस बीच, महेश बाबू अपनी आगामी फिल्म गुंटूर करम पर काम कर रहे हैं। त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित यह फिल्म अब तक कई विवादों से घिरी हुई है। कलाकारों, चालक दल और अन्य विवरणों में बदलाव ने प्रशंसकों के बीच भौंहें चढ़ा दी हैं। ताजा अपडेट के मुताबिक एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने फिल्म से किनारा कर लिया है. उनकी जगह मीनाक्षी चौधरी को मुख्य भूमिका में लिया गया। काफी इंतजार के बाद फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू हो गई है।

श्रद्धा-राजकुमार ने शुरू की 'स्त्री 2' की शूटिंग

साल 2018 में आई हॉरर कॉमेडी फिल्म दर्शकों द्वारा स्त्री खूब पसंद की गई। इस फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर के अलावा अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी भी नजर आए थे। यह फिल्म दर्शकों को इतनी पसंद आई कि अब वह इसकी दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। स्त्री 2 का एलान हो चुका है। अब हाल ही में, फिल्म के लीड कलाकार श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव ने फिल्म के सेट से एक तस्वीर साझा कर फिल्म को लेकर अपडेट दिया है। हाल ही में, अभिनेता राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर श्रद्धा कपूर के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की। तस्वीर में देखा जा सकता है कि श्रद्धा पिंक सूट पहने बेहद खूबसूरत लग रही हैं। लाइट मेकअप के साथ अभिनेत्री फिल्म के किरदार में ढली नजर आ रही है। तस्वीर में श्रद्धा ने अपनी एक उंगली अपने गालों पर रखी हुई है और फैंस को कुछ संकेत दे रही हैं। वहीं, दूसरी ओर राजकुमार ब्लैक शर्ट में बेहद डैशिंग लग रहे हैं। श्रद्धा की तरह ही राजकुमार भी अपने होठों पर एक उंगली रखे नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए अभिनेता ने इसके कैप्शन में लिखा, 'क्या होगा जब फिर से मिलेंगे स्त्री और पुरुष।' अभिनेता की इस तस्वीर को फैंस लगातार कयास लगा रहे हैं कि दोनों ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता को पोस्ट के कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'हम आप दोनों को एक साथ देखकर बहुत एक्साइटेड हो रहे हैं।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'फिल्म देखने का बेसब्री से इंतजार है।' आपको बता दें कि स्त्री 2 फिल्म स्त्री की रिलीज के छह साल बाद 31 अगस्त, 2024 को रिलीज होगी। फिल्म राजकुमार और श्रद्धा के अलावा पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। स्त्री 2 का एलान हो चुका है। अब हाल ही में, फिल्म के लीड कलाकार श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव ने फिल्म के सेट से एक तस्वीर साझा कर फिल्म को लेकर अपडेट दिया है।

BOLLYWOOD NEWS FLASH

इलाहाबाद हाई कोर्ट

ने आदिपुरुष निर्माताओं को फटकार लगाई

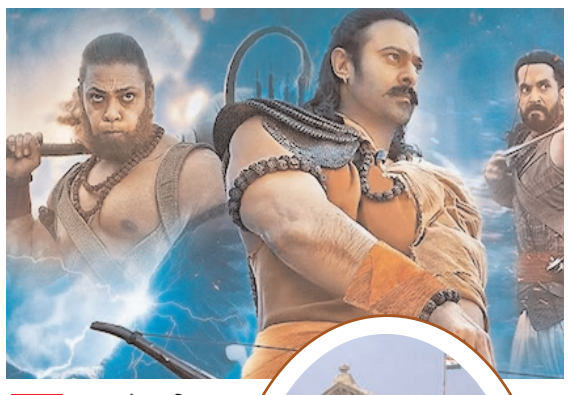

प्रभास और कृति सेनन की आदिपुरुष को सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर ट्रोलिंग और खराब प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा है। पौराणिक महाकाव्य रामायण पर आधारित यह फिल्म 16 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। विरोध के बाद, निर्माताओं ने फिल्म के संवाद को बदल दिया, जिससे दर्शकों में आक्रोश फैल गया। विवाद के बीच इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने सेंसर बोर्ड और फिल्म के निर्माताओं को कड़ी फटकार लगाई। पीरियड ड्रामा में कुछ विवादास्पद संवादों की याचिका पर सुनवाई के दौरान, अदालत ने पूछा, सेंसर बोर्ड क्या करता रहता है? आप आने वाली पीढ़ियों को क्या सिखाना चाहते हैं? इसके अलावा कोर्ट ने सुनवाई के दौरान निर्माता, निर्देशक और अन्य पक्षों की अनुपस्थिति पर भी सवाल उठाए. वकील कुलदीप तिवारी ने याचिका दाखिल की। मामले में अगली सुनवाई आज 27 जून को होनी है। आलोचकों से लेकर समीक्षकों तक, कई लोगों ने फिल्म के कुछ संवादों पर संदेह व्यक्त किया। जिन गानों को लेकर फैंस में गुस्सा था उनमें मरेगा बेटे, बुआ का बगीचा है क्या और जलेगी तेरे बाप की शामिल हैं। ऑनलाइन आक्रोश और नकारात्मक समीक्षाओं के सामने, निर्माताओं ने बाद में संवादों में सुधार किया था। ओम राउत द्वारा निर्देशित और मनोज मुंतशिर द्वारा लिखित संवादों वाली इस फिल्म में प्रभास भगवान राम, कृति देवी सीता, सनी सिंह लक्ष्मण और सैफ अली खान रावण की भूमिका में हैं। यह फिल्म महाकाव्य रामायण का रूपांतरण थी।

'जीते' के किरदार के लिए उत्कर्ष शर्मा ने पढ़ा उर्दू का पाठ

साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म गदर- एक प्रेम कथा का दूसरा पार्ट जल्द ही सिनेमाघरों रिलीज होने वाला है। फिल्म की रिलीज से पहले इसी स्टारकास्ट इसका प्रमोशन करने में लगी हुई है। फिल्म में सनी देओल, अमीषा पटेल के साथ-साथ अभिनेता उत्कर्ष शर्मा भी मुख्य भूमिका में है। उत्कर्ष वही हैं, जिन्होंने 2001 में सनी देओल और अमीषा पटेल के बेटे का किरदार निभाया था। सनी पाजी और अमीषा के साथ ही उत्कर्ष के की भी चर्चा जोरों पर हो रही है। इस बीच हाल ही में अभिनेता ने बताया की अपने किरदार के साथ न्याय करने के लिए उन्होंने उर्दू सीखी है। गदर 2 की शूटिंग लखनऊ में की गई है और स्क्रिप्ट के अनुसार, अपने किरदार के डयलॉग्स को सही तरह से बोलने के लिए उत्कर्ष को एक महीने तक उर्दू सीखनी पड़ी। निर्माताओं ने शूटिंग प्रक्रिया के दौरान अनुभवी और प्रसिद्ध उर्दू शिक्षक-अभिनेता शौकत मिर्जा को सेट पर इसी काम के लिए रखा था। ब्रेक के दौरान उत्कर्ष मिर्जा के साथ बैठते थे और उर्दू डायलॉग्स और उनका सही उच्चारण सीखते थे। उत्कर्ष शर्मा ने बताया कि, फिल्म के बैकड्रॉप को ध्यान में रखते हुए, मेरे किरदार की भाषा पंजाबी है, लेकिन उसे उर्दू में भी बात करनी होगी, जो गलत नहीं हो सकती थी। मेरे लिए यह महत्वपूर्ण था कि मैं भाषा और उसकी बोली को पूरी ईमानदारी के साथ सीखूं और मुझे उम्मीद है कि यह स्क्रीन पर भी सामने आएगा। मैं दर्शकों द्वारा फिल्म देखने और उनकी सच्ची प्रतिक्रिया का इंतजार नहीं कर सकता।

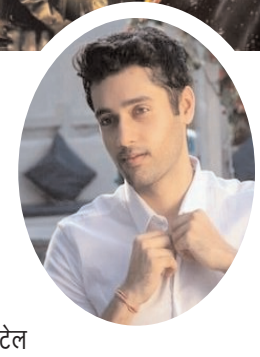

11 अगस्त रिलीज होगी फिल्म

गदर 2 का निर्देशन अनिल शर्मा ने ही किया है, जिन्होंने साल 2001 में रिलीज हुए इसके पहले पार्ट का किया था। इस फिल्म में सनी, अमीषा और उत्कर्ष जैसे मुख्य कलाकार अपने-अपने किरदारों में वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म 11 अगस्त को रिलीज होने वाली है। गदर 2 के साथ ही सिनेमाघरों में रणबीर कपूर-स्टारर एनिमल और अक्षय कुमार-स्टारर ओएमजी 2 भी दस्तक दे रही है। ऐसे में यह इस साल की सबसे बड़ी टक्कर होने वाली है, जिसका असर तीनों ही फिल्मों के कलेक्शन पर पड सकता है।

एक नजर

मोईन अली की जगह तेज गेंदबाज टंग इंग्लैंड टीम में

लंदन। वोर्सेस्टरशर के तेज गेंदबाज जोश टंग को आस्ट्रेलिया के खिलाफ लॉर्डस पर होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट के लिए चोटिल मोईन अली की जगह इंग्लैंड क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। पहला टेस्ट दो विकेट से हारने वाली इंग्लैंड टीम में यही एक बदलाव किया गया है। टंग ने पिछले महीने आयरलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट खेला था। उन्हें मार्क वुड , क्रिस फोक्स और मैथ्यू पोट्स पर तरजीह दी गई है। अली को पहले टेस्ट के दौरान दाहिने हाथ की उंगली में चोट लगी थी।

मारिया को हराकर स्वियातेक बैड होम्बर्ग ओपन के दूसरे दौर में पहुंचीं

बैड होमबर्ग। शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने बैड होमबर्ग ओपन के अपने पदार्पण मुकाबले में पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए तात्याना मारिया को शिकस्त देकर दूसरे दौर में जगह बनाई। दो सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने के बाद अपना पहला मैच खेल रही स्वियातेक ने ग्रास-कोर्ट विशेषज्ञ मारिया पर 5-7, 6-2, 6-0 से जीत दर्ज की। पोलैंड की इस खिलाड़ी के सामने दूसरे दौर में जिल टीचमन की चुनौती होगी। स्विट्जरलैंड की टीचमन ने अमेरिका की क्लेयर लियू को 3-6, 6-3, 6-4 मात दी। अमेरिका की एम्मा नवारो ने अर्जेंटीना की नादिया पोडोरोस्का पर 6-2, 6-0 से आसान जीत दर्ज की। दूसरे दौर में उनका मुकाबला फ्रांस की एलिजे कोर्नेट से होगा। इसके अलावा चौथी वरीयता प्राप्त मेयर शेरिफ ने जर्मनी की ऐना-लेना फ्रीडसैम को 4-6, 6-4, 7-5 तो वही कतेरीना सिनियाकोवा ने सातवीं वरीयता प्राप्त एलिसबेटा कोक्यिारेटो को 6-3, 6-4 से हराया। बियांका आंद्रेस्कू ने ब्रिटेन की सोनाय कार्तल को 6-2, 3-6, 7-5 से पराजित किया।

आनंद की अगुवाई वाली गैंजेज ग्रैंडमास्टर ने त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स को हराया

दुबई। भारत के पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के नेतृत्व में गैंजेज ग्रैंडमास्टर्स ने यहां ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीए) के शुरुआती सत्र में त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स को 14-2 के बड़े अंतर से हराया। सोमवार रात को खेल गए इस मुकाबले में गैंजेज ग्रैंडमास्टर्स के छह में से चार खिलाड़ियों ने जीत दर्ज की जबकि बाकी के दो मुकाबले बराबरी पर छूटे। आनंद के खिलाफ लेवोन अरोनियन ने मैच को लंबा खींचने पर ध्यान दिया ने इस भारतीय दिग्गज ने उनकी चुनौती को खत्म करने में ज्यादा परेशानी नही हुई। एक अन्य मैच में एसजी एल्पाइन वॉरियर्स को बलान अलास्कन नाइट्स ने 10-9 से हराया।गैंजेज ग्रैंडमास्टर्स जीसीएल की तालिका में शीर्ष पर है जबकि एसजी एल्पाइन वॉरियर्स दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमों के एक समान 12 अंक है लेकिन गैंजेज ग्रैंडमास्टर्स ने अधिक गेम प्वाइंट बनाए है।

विश्व कप आईसीसी ने वनडे विश्व कप से सौ दिन पहले कार्यक्रम का ऐलान किया

अहमदाबाद में होगा भारत और पाक मैच और विश्व कप फाइनल

मुंबई

भारत और पाकिस्तान के बीच एक दिवसीय विश्व कप का बहुचर्चित मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा जबकि दुनिया के सबसे बड़े इस स्टेडियम पर ही 19 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा। आईसीसी ने मंगलवार को यह घोषणा की। टूर्नामेंट का आगाज अहमदाबाद में ही पांच अक्टूबर को पिछले विजेता इंग्लैंड और उपविजेता न्यूजीलैंड के बीच मैच से होगा। दर्शकों की संख्या के आधार पर नरेंद्र मोदी स्टेडियम दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम है जिसमें 132000 दर्शक बैठ सकते हैं जो मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) से 32000 अधिक है। विश्व कप 2023 का पहला सेमीफाइनल 15 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में और दूसरा अगले दिन कोलकाता में ईडन गार्डस पर खेला जाएगा। दोनों सेमीफाइनल में एक रिजर्व दिन होगा। फाइनल मैच अहमदाबाद में 19 नवंबर को होगा जबकि 20 नवंबर रिजर्व दिन रहेगा। सभी तीन नॉकआउट मैच दिन रात के होंगे। आईसीसी ने वनडे विश्व कप से सौ दिन पहले कार्यक्रम का ऐलान करते हुए कहा कि मेजबान भारत अपने अभियान का आगाज आठ अक्टूबर को पांच बार की विश्व कप विजेता आस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में करेगा। गुवाहाटी 12 वेन्यू में से एक है जहां अभ्यास मैच समेत टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। पहली बार विश्व कप का पदार्पण पूर्वोत्तर भारत में होगा। विश्व कप के मैच हैदराबाद, अहमदाबाद, धर्मशाला, दिल्ली, चेन्नई, लखनऊ पुणे, बेंगलुरू,मुंबई और कोलकाता में होंगे। गुवाहाटी और तिरूवनंतपुरम के अलावा हैदराबाद में 29 सितंबर से तीन अक्टूबर तक अभ्यास मैच खेले जाएंगे। बारह मेजबान संघों को सोमवार को मुंबई बुलाया गया था जहां मंगलवार की आधिकारिक घोषणा से पहले उनसे विस्तार से जानकारी ली गई। वानखेड़े स्टेडियम पर 2011 विश्व कप का फाइनल खेला गया था जहां महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने 28 साल बाद खिताब जीता था। वहीं ईडन गार्डस पर 1987 विश्व कप का फाइनल खेला गया था जिसमें आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को हराया था। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच चेन्नई, बेंगलुरू या कोलकाता में कराने की मांग की थी जिसे बीसीसीआई और आईसीसी ने ठुकरा दिया। इस विश्व कप में दस टीमें भाग लेंगी जिनमें से आठ आईसीसी क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग के जरिए क्वालीफाई कर चुकी हैं और शेष दो जिम्बाब्वे में चल रहे क्वालीफायर टूर्नामेंट के जरिए पहुंचेंगी। क्वालीफायर में पूर्व चैम्पियन श्रीलंका, वेस्टइंडीज के अलावा नीदरलैंड, ओमान, स्कॉटलैंड, यूएई , अमेरिका और मेजबान जिम्बाब्वे भाग ले रहे हैं। विश्व कप में सभी टीमें एक दूसरे से राउंड रॉबिन आधार पर खेलेंगी जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल होंगे।

पीसीबी आशंकित लेकिन आईसीसी को यकीन कि भारत में विश्व कप खेलेगा पाकिस्तान

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड वनडे विश्व कप के लिए भारत में अपनी टीम भेजने को लेकर अभी भी आशंकित है लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को यकीन है कि बाबर आजम की कप्तानी वाली टीम भारत में 50 ओवरों का विश्व कप खेलेगी। आईसीसी ने मंगलवार को पांच अक्टूबर से 19 नवंबर तक होने वाले वनडे विश्व कप का कार्यक्रम जारी किया। इसके साथ ही कुछ टीमों के खिलाफ पाकिस्तान के मैच चेन्नई और बेंगलुरू में कराने का पीसीबी का अनुरोध भी ठुकरा दिया। पीसीबी चेन्नई की टर्निंग पिच पर अफगानिस्तान से और बेंगलुरू में आस्ट्रेलिया से नहीं खेलना चाहता। विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा के बाद पीसीबी ने साफ तौर पर कहा कि उसका खेलना सरकार से मंजूरी मिलने पर निर्भर करता है। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा , विश्व कप में हमारा खेलना और 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में या सेमीफाइनल में पहुंचने पर मुंबई में खेलना सरकार से मंजूरी मिलने पर निर्भर करता है। वही आईसीसी के एक प्रवक्ता ने कहा , सभी सदस्यों को अपने देश के कानून का पालन करना है

क्रिकेट

बुमराह ने एनसीए में शुरू किया गेंदबाजी अभ्यास, वापसी की समयसीमा तय नहीं

बेंगलुरू

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में नेट अभ्यास के दौरान सात ओवर गेंदबाजी की है लेकिन चोट से उबरकर राष्ट्रीय टीम में कब वापसी करेंगे इसका जवाब अभी किसी के पास नहीं है। नेट पर बुमराह की गेंदबाजी को हालांकि 2023 विश्व कप की प्रतीक्षा कर रहे भारतीय प्रशंसकों अच्छी खबर मान रहे है। विश्व कप का कार्यक्रम मंगलवार को मुंबई में जारी किया गया है। बुमराह की पीठ में बार-बार होने वाली तकलीफ के लिए मार्च में न्यूजीलैंड में सर्जरी हुई थी और तब से वह फिटनेस हासिल करने होने की राह पर हैं। बुमराह ने भारत के लिए अपना पिछला मुकाबला सितंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खेला था। ऐसे में सवाल उठ रहे कि क्या बुमराह आयरलैंड के खिलाफ टी 20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला या एशिया कप में वापसी कर पाएंगे? इस घटनाक्रम पर नजर रखने वाले एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया, इस तरह की चोट के लिए, कोई समयसीमा निर्धारित करना बुद्धिमानी नहीं है क्योंकि खिलाड़ी की लगातार निगरानी की आवश्यकता होती है। यह हालांकि कहा जा सकता है कि बुमराह चोट से अच्छी तरह से उबर रहे हैं। उन्होंने एनसीए नेट पर सात ओवर गेंदबाजी की है। वह अपने कार्यभार को लगातार बढ़ा रहे है जिसमें शुरुआती दौर के हल्के वर्कआउट से गेंदबाजी की ओर बढ़ना शामिल है। उन्होंने कहा, वह अगले महीने (एनसीए में) कुछ अभ्यास मैच खेलेंगे और तब उनकी फिटनेस का करीबी आकलन किया जाएगा। भारतीय टीम के पूर्व स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच रामजी श्रीनिवासन ने कहा कि बुमराह की वापसी में काफी सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा, उसे जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए. एनसीए में अभ्यास मैच खेलना एक अच्छा कदम है क्योंकि इससे उनके शरीर को मैच की मांग के अनुरूप तैयार करने में मदद मिलेगी।

अंतिम एकादश में जगह नहीं मिलना मेरे लिए नया नहीं : स्टार्क

लंदन

एशेज श्रृंखला के शुरूआती मुकाबले से हुई अनदेखी को गंभीरता से लेते हुए ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा कि उन्हें इस टीम में सबसे ज्यादा बाहर होने की आदत है, लेकिन दूसरे टेस्ट के लिए एकादश में चयन होने वह चुनौती से निपटने के लिए तैयार रहेंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट का हिस्सा नहीं थे, जिसे मेहमान टीम ने दो विकेट से जीता था। स्टार्क ने इस बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, इंग्लैंड आकर अब मुझे इसकी आदत हो गई है। यह टीम की मानसिकता है, पिछले दौरे पर भी ऐसा ही हुआ था। उन्होंने कहा, मैं काफी समय से टीम में हूं, कई बार बाहर हुआ हूं। शायद इस टीम से मैं सबसे ज्यादा बार बाहर होने वाला खिलाड़ी हूं। इसलिए यह मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। यह शायद आखिरी बार भी नहीं होगा।

एशेज के पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई बॉलर्स ने शीर्ष स्तर का प्रदर्शन नहीं किया: लाबुशेन

लंदन

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने कहा कि एशेज श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में उनके तेज गेंदबाजों ने इंग्लैंड के खिलाफ शीर्ष स्तर प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को आगामी मैचों में इस विभाग में काफी सुधार करना होगा। ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट में इंग्लैंड को दो विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में।-0 की बढ़त बना ली। टीम के कई खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया लेकिन लाबुशेन तेज गेंदबाजों से सुधार की उम्मीद कर रहे है। उन्होंने एसईएन रेडियो कहा, मुझे नहीं लगता कि हमने अपना बी-गेम खेला। मुझे लगता है कि कुछ खिलाड़ियों ने असाधारण प्रदर्शन किया जिसमें से उस्मान (ख्वाजा) ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया था। नाथन लियोन ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने कहा, आप ने हमारे सभी तेज गेंदबाजों को पिछले चार या पांच साल से गेंदबाजी करते हुए देखा है। यह निश्चित रूप से उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी नहीं थी फिर भी हमें जीत के लिए सिर्फ 280 रन के लक्ष्य का पीछा करना था।

तैयारी

खेल की गति बढ़ने के कारण विश्व कप होगा बहुत प्रतिस्पर्धी : रोहित

मुंबई

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को उम्मीद है कि देश में आगामी एकदिवसीय विश्व कप अत्यधिक प्रतिस्पर्धी होगा क्योंकि खेल की गति काफी बढ़ गई है। खेल के ताबड़तोड़ प्रारूप टी-20 क्रिकेट ने सभी प्रारूपों को प्रभावित किया है। इससे पारंपरिक पांच दिवसीय प्रारूप भी अछूता नहीं है जहां बल्लेबाज आक्रामक शॉट लगाने से गुरेज नहीं करते हैं। भारत विश्व कप में आठ अक्टूबर को चेन्नई में पांच बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा तो उसका लक्ष्य अपना तीसरा और घरेलू मैदान पर दूसरा खिताब जीतना होगा। भारत को लीग चरण के अपने नौ मैचों को कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली, लखनऊ और बेंगलुरु सहित विभिन्न स्थानों पर खेलना है। आईसीसी से जारी विज्ञप्ति में रोहित ने कहा, यह विश्व कप बहुत प्रतिस्पर्धी होने वाला है क्योंकि खेल की गति बढ़ गई है। टीमें पहले से कहीं अधिक सकारात्मक होकर खेल रही हैं। उन्होंने कहा, यह सब दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए अच्छा संकेत है, जो उन्हें कई रोमांचक पल देने का वादा करता है। हम इस अक्टूबर-नवंबर में अच्छी तैयारी के साथ मैदान पर उतरने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के बाद भारतीय टीम दिल्ली में 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान का सामना करेगी। भारत और चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बीच खेला जाना वाला बहुचर्चित मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होगा। राजनयिक तनाव के कारण दोनों पड़ोसी अब केवल आईसीसी और एसीसी (एशियाई क्रिकेट परिषद) आयोजनों में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं। दोनों देशों के बीच पिछला मुकाबला बीते साल ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के दौरान हुआ था। भारत और पाकिस्तान ने वनडे विश्व कप में सात बार (1992, 1996, 1999, 2003, 2011, 2015 और 2019 में) एक दूसरे का सामना किया है और हर बार भारतीय टीम विजेता रही है। दोनों टीमें ने 50 ओवर के प्रारूप के विश्व कप में 1987 और 2007 में एक दूसरे का सामना नहीं किया था। दोनों टीमें 2007 में ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी थी जबकि 1987 में अलग-अलग ग्रुप में होने के बाद दोनों को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। भारत के अन्य बड़े मुकाबलों में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ क्रमशः 22 और 29 अक्टूबर को धर्मशाला और लखनऊ में होने वाले मैच शामिल हैं। टूर्नामेंट में पिछली बार के राउंड-रॉबिन प्रारूप को बरकरार रखा गया है, जिसमें सभी टीमें कुल 45 लीग मैचों के दौरान एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। टूर्नामेंट में छह मुकाबले दिन (सुबह 10:30 से शुरू) के होंगे जबकि बाकी के मैच दिन-रात्रि (दोपहर दो बजे से) में खेले जाएंगे। नॉकआउट मुकाबले भी दिन-रात्रि के होंगे। शीर्ष चार टीमें 15 नवंबर को मुंबई में और 16 नवंबर को कोलकाता में खेले जाने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी भारतीय टीम 29 नवंबर से 10 दिसंबर तक चिली के सैंटियागो में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी कर रही है।

तुषार खांडेकर जूनियर महिला हॉकी टीम के कोच बने

नई दिल्ली

भारत के पूर्व कप्तान तुषार खांडेकर को मंगलवार को जूनियर महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। भारतीय टीम 29 नवंबर से 10 दिसंबर तक चिली के सैंटियागो में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी कर रही है। वह हरविंदर सिंह की जगह लेंगे, जो इस साल जनवरी में एरिक वोनिंक के पद छोड़ने के बाद अंतरिम आधार पर टीम के कोच नियुक्त हुए थे। महिला मुख्य कोच यानेक शोपमैन हॉकी इंडिया के करार के मुताबिक जूनियर और सीनियर टीमों की जिम्मेदारी सौंपी गई है लेकिन नीदरलैंड की यह पूर्व खिलाड़ी एशियाई खेलों की तैयारी में व्यस्त हैं और इसलिए खांडेकर को जूनियर टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। खिलाड़ी के तौर पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी में कई सफलता हासिल करने वाले खांडेकर ने पिछले दशक में कोचिंग में भी खुद को साबित किया है। यहां जारी विज्ञप्ति में खांडेकर ने कहा, अपने खेल करियर के बाद मेरा झुकाव हमेशा कोचिंग की ओर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मैंने विश्व हॉकी के कई प्रसिद्ध कोच की देखरेख में काम किया है और उनसे बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने कहा, मैं इन युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ खेल की जानकारी को साझा करने को लेकर उत्सुक हूं। यह अंतरराष्ट्रीय हॉकी में उनके प्रदर्शन में सुधार करने में मददगार होगा। वह 2014 से 2016 तक भारतीय टीम के कोच रहे थे। उनकी देखरेख में टीम ने लंदन में चैंपियंस ट्रॉफी 2016 ऐतिहासिक रजत पदक, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण, विश्व हॉकी लीग 2015 (रायपुर) में कांस्य सहित कई सफलता का स्वाद चखा है। वह 2016 रियो ओलंपिक खेलों के लिए टीम के कोचिंग स्टाफ का भी हिस्सा थे। हाल के वर्षों में खांडेकर ने हॉकी इंडिया के कोच एजुकेशन पाथवे लेवल बेसिक , लेवल। और लेवल 2 के अलावा एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी परिषद) लेवल। पाठ्यक्रम को पूरा किया है। उनकी नियुक्ति पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, तुषार के पास एक खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में हॉकी में दशकों का अनुभव है। वह जूनियर कोर ग्रुप में युवा खिलाड़ियों के लिए एक महान आदर्श भी होंगे।

हॉकी

खिलाड़ी के तौर पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी मे कई सफलता हासिल करने वाले खांडेकर ने पिछले दशक में कोचिंग में भी खुद को साबित किया है।

अनुभवी और नवोदित खिलाड़ियों के पास लाल गेंद प्रारूप में खुद को साबित करने का मौका

बेंगलुरू

भारतीय घरेलू क्रिकेट का नया सत्र बुधवार को यहां दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू होगा तो अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को लाल गेंद के प्रारूप में अपनी काबिलियत साबित करने का मौका मिलेगा। टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में मध्य क्षेत्र की टीम अलूर में पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ मैदान में उतरेगी जबकि उत्तर क्षेत्र एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पूर्वोत्तर क्षेत्र की चुनौती का सामना करेगा। इन मुकाबलों के विजेताओं को सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र से आमना-सामना होगा। पश्चिम क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र को पिछले सत्र के फाइनल में पहुंचने के कारण अंतिम चार चरण में सीधे प्रवेश करेंगे। बुधवार को मुकाबले में उतरने वाली टीमों का पहला लक्ष्य अंतिम चार में जगह पक्की करना होगा लेकिन अगले पखवाड़े में चयनकर्ताओं की नजरें कुछ नए नामों पर होगी क्योंकि भारतीय टीम अब बदलाव के दौर के गुजरेगी। भारतीय टीम को आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में अधिक विकल्प की जरूरत होगी और दलीप ट्रॉफी खिलाड़ियों के साथ चयनकर्ताओं के लिए भी मौका होगा। भारतीय टीम के लिए डब्ल्यूटीसी का आगामी सत्र 12 जुलाई से वेस्टइंडीज दौरे के साथ शुरू हो रहा है। इस दौरान जिन खिलाड़ियों पर सबसे ज्यादा नजरें होंगी उसमें रिंकू सिंह का नाम शामिल है। इंडियन प्रीमियर लीग में अपने बल्ले से धाक जमाने वाले बाएं हाथ के इस खिलाड़ी के प्रदर्शन को नए सत्र में लाल गेंद प्रारूप में देखना दिलचस्प होगा। मध्य क्षेत्र की टीम में शामिल रिंकू ने पिछले सत्र में रणजी ट्रॉफी में सात मैचों में लगभग 62 के औसत से 442 रन बनाकर प्रभावित किया था। प्रथम श्रेणी में उनके करियर का रिकॉर्ड भी शानदार है। उन्होंने 40 मैचों में सात शतक और 19 अर्धशतक की मदद से 2875 रन बनाए है और इस दौरान उनका औसत 59.89 का रहा है। पूर्वी क्षेत्र का यह कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने की दहलीज पर है। उन्होंने भारत ए और बंगाल के लिए रनों का अंबार लगाया है।

मुख्यमंत्री का चित्तौड़गढ़ दौरा

सामूहिक विवाह सम्मेलनों से अनेकता में एकता की भावना हो रही साकार: मुख्यमंत्री

न्यूज ऑफ दि डे

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलनों के आयोजन से आर्थिक दृष्टि से कमजोर परिवारों को सम्बल मिलता है। इन आयोजनों में शामिल होकर विभिन्न समाज, जाति और धर्म के परिवार अनेकता में एकता की भावना को साकार करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सामूहिक विवाह सम्मेलनों को भरपूर प्रोत्साहन दिया है।

गहलोत मंगलवार को चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा स्थित कृषि उपज मण्डी में हरीश आंजना एजुकेशन सोसायटी द्वारा आयोजित द्वितीय निःशुल्क सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता हमारी बड़ी ताकत है, यह कमजोर नहीं होनी चाहिए। सामूहिक विवाह सम्मेलनों में सर्वधर्म समभाव की भावना निहित होती है। ये सादगी के परिचायक होते हैं, इनसे दिखावे की प्रवृत्ति और फिजूलखर्ची सहित अनेक समस्याओं से निजात मिलती है। उन्होंने 142 नव-विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद व शुभकामनाएं दीं

तथा उनके सफल दाम्पत्य जीवन की कामना की।

देश में लोकतंत्र मजबूत रहना चाहिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत अनेकता में एकता का देश है। यहां कई जातियों व भाषा-भाषियों के साथ ही विभिन्न धर्मों के लोग निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र व संविधान हमारे देश की ताकत है। देश में कानून का राज होना आवश्यक है। यदि लोकतंत्र और संविधान कमजोर होंगे तो देश में स्थितियां विकट हो जाएंगी।

प्रदेश में हो रहा चहुंमुखी विकास : श्री गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को सुशासन देते हुए राज्य का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित कर रही है। राज्य सरकार ने अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग को लाभान्वित कर राहत पहुंचाई है। इन योजनाओं की पूरे देश में सराहना व चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि योजनाओं को भविष्य में और व्यापक बनाया जाएगा, जिससे बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी से प्रदेशवासियों को पूरी तरह से निजात मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दे रही है। जल्द ही 40 लाख महिलाओं को तीन साल की इन्टरनेट कनेक्टिविटी के साथ स्मार्टफोन दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि रोडवेज की सभी श्रेणियों की बसों में महिलाओं-बालिकाओं को किराए में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। छात्राओं को शिक्षण संस्थानों तक आवागमन के लिए ट्रांसपोर्ट वाउचर का भी प्रावधान किया गया है।

महंगाई से मिली राहत से जनता खुश : मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में महंगाई राहत कैम्प चला कर 10 महत्वपूर्ण योजनाओं के माध्यम से आमजन को राहत कर रही है। इन कैम्पों में मिल रही राहत से जनता बेहद खुश है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लाखों युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा रही है। साथ ही, निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने की दृष्टि से 100 मेगा जॉब फेयर आयोजित किए जा रहे हैं।

विषम परिस्थितियों में भी राज्य सरकार ने बनाए रखी विकास की गति : श्री गहलोत ने कहा कि कोरोना की प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद राज्य में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रही। प्रदेश में कोरोना का बेहतर प्रबंधन हुआ जिसकी देश-दुनिया में सराहना हुई। स्वास्थ्य का अधिकार अधिनियम (आरटीएच) व 25 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा कवर क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़क, पानी, बिजली जैसी आधारभूत आवश्यकताओं पर तेजी से कार्य हो रहा है। राज्य में 1 लाख किमी लंबाई की सड़कें बनाई जा रही हैं, जिसमें से 56 हजार किमी सड़क बन चुकी है।

40 हजार पशुपालकों के खातों में 175 करोड़ रुपए हस्तांतरित : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लम्पी रोग से मृत गायों के मुआवजे के तौर पर पशुपालकों को 40-40 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। हाल ही में 175 करोड़ रुपए की राशि 40 हजार पशुपालकों के खातों में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार के लिए 2-2 दुधारू पशुओं का प्रति पशु 40 हजार रुपए का बीमा किया जा रहा है। गौशालाओं को 9 माह व नंदीशालाओं को 12 माह का अनुदान दिया जा रहा है। नंदीशाला खोलने के लिए प्रति ग्राम पंचायत 1.56 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

: करोड़ लोगों को मिल रही सामाजिक सुरक्षा पेंशन

गहलोत ने कहा कि राज्य में 1 करोड़ लोगों को न्यूनतम 1 हजार रुपए की सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है। साथ ही, इसमें प्रतिवर्ष 15 प्रतिशत की स्वतः वृद्धि का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती केन्द्र सरकार द्वारा लागू शिक्षा, सूचना, खाद्य सुरक्षा एवं रोजगार के अधिकार की तर्ज पर वर्तमान केन्द्र सरकार को भी सामाजिक सुरक्षा का कानून बनाकर लागू करना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

सडक दुर्घटना में युवक की मौत

न्यूज ऑफ दि डे

टोंक (शहज़ाद खान)। देवली थाना क्षेत्र में स्थित केन्द्रीय विद्यालय केकडी रोड पर बीते दिन सुबह एक वाहन की चपेट में आने से युवक की मोत हो गई। थाना प्रभारी जगदीष मीणा ने बताया कि मृतक पैदल ही सडक पर चल रहा था कि तेज गति ये आ रही मारूति वेन की चपेट में आ जाने से प्रदीप पुत्र खेमराज बलाई उम्र 25 साल निवासी तेली मोहल्ला देवली की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मारूति वेन को जप्त कर लिया तथा वेन चालक मौके से फरार हो गया। वही मृतक का षव बाद पोस्टमार्टम के परिजनो को सुपर्द कर दिया गया है।

तारबन्दी योजना के संदर्भ में बैठक का होगा आयोजन

न्यूज ऑफ दि डे

टोंक (शहज़ाद खान)। जिले में कांटेदार तार एवं सीमेन्ट पोल विक्रेताओ की बैठक बुधवार 28 जून कृषि विभाग के तत्वावधान में जिले में कांटेदार तार एवं सीमेन्ट पोल विक्रेताओ की बैठक आत्मा सभागार में बुधवार को प्रातः 11 बजे आयोजित होगी। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक के के मंगल ने बताया कि जिले को 13 लाख 7 हजार मीटर का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसकी पूर्ति हेतु विभाग द्वारा कृषि पर्यवेक्षको, सहायक कृषि अधिकारियो, कृषि अधिकारियो,सहायक निदेशको की बैठक के उपरान्त जिले में कांटेदार तारबन्दी, सीमेन्ट पोल निर्माता एवं विक्रेताओ की बेठक रखी गई है। गत वर्ष 1 लाख 96 मीटर के लक्ष्य दिये गये थे जिसमें शत प्रतिशत पूर्ति कर राज्य में प्रथम स्थान पर रहा है।

साढे 8 बजे होगी ईद की नमाज

ईदगाह में तीस हजार नमाजी अदा कर सकेंगे नमाज

न्यूज ऑफ दि डे

टोंक (शहज़ाद खान)। ईदगाह में ईदुल अजहा की नमाज के लिए तैयारियां की जा रही है। इसका ईदगाह कमेटी ने मंगलवार को जायजा लिया। इस मौके पर ईदगाह कमेटी के सचिव मोइनुद्दीन निजाम ने बताया कि ईदगाह में करीब 30 हजार से अधिक लोगों की नमाज के लिए पूरे इंतजाम है। लेकिन बारिश होने के कारण लोगों को अपने स्तर पर भी आवश्यक व्यवस्थाएं रखना चाहिए। यहां पर वुजू सहित जा-नमाज आदि के लिए तैयारियां की जा रही है। ईद की नमाज की तैयारियों का जायजा लेने के बाद मुफ्ती इस्लाहुद्दीन ख़िजर ने बताया कि ईदगाह बहीर में ईद की नमाज गुरुवार को सुबह साढे 8 बजे होगी। उसके बाद शाही जामा मस्जिद अमीरगंज में 9 बजे ईद की नमाज अदा की जाएगी। इस मौके मुफ्ती आदिल नदवी, नईमुद्दीन अपोलो, मुश्ताक हुसैन, असलम अंसारी, पूर्व पार्षद सआदत अली, हबीब मियां आदि मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि ईद की तैयारियां बाजारों में भी नजर आई। लोग कपड़े, चप्पल-जूते, फैंसी सामान सहित कई प्रकार के परिधान व सजावटी सामान आदि खरीदते नजर आए। कई जगह बकरों की खरीदारी भी हुई।

सात स्कूलों में भवन निर्माण के लिए साढ़े चार करोड़ स्वीकृत

टोंक। देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र की स्कूलों में बनेंगे कमरे, दूर होगी कक्षा कक्ष की कमी। राज्य सरकार ने देवली - उनियारा विधान सभा के सात स्कूलों में कक्षा कक्ष आदि के निर्माण के लिए करीब चार करोड़ चालीस लाख रुपये स्वीकृत किए है। यह राशि सरकार ने देवली - उनियारा विधायक हरीश चंद्र मीना की अनुशंसा पर की है। डस्। मीना ने इसके लिए से मांग की थी। अब इस राशि से निर्माण कार्य पूरा होने पर संबंधित स्कूलों में कक्षा कक्ष की कमी नहीं रहेगी। बच्चों के बैठने समेत अन्य समस्या दूर हो जाएगी । डस्। मीना के निजी सचिव मोहम्मद असलम ने बताया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय आवां के भवन निर्माण के लिए ढाई करोड़ रुपये, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कंजर ढाणी शोप के भवन निर्माण के 30 लाख रुपये, राप्रावि दौलता पनवाड़ के भवन निर्माण के लिए 74 लाख रुपये, राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय डाबर कला में कक्षा कक्ष,विज्ञान प्रयोगशाला कक्ष एंव सामग्री,लाइब्रेरी कक्ष निर्माण के लिए 47 लाख सात हजार रुपये, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ख्वासपुरा में कक्षा कक्ष,विज्ञान प्रयोगशाला कक्ष एवं सामग्री,कंप्यूटर कक्ष निर्माण के लिए 56.88 लाख रुपये, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोडा का गोठड़ा में कक्षा कक्ष,कंप्यूटर कक्ष निर्माण के लिए 40.95 लाख रुपये, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नगरफोर्ट में लाइब्रेरी कक्ष निर्माण के लिए 17.50 लाख रुपये स्वीकृत किए गए है।

गौ प्रबंधकों ने ली गोवंश के बायप्रोडक्ट से जैविक राज्य बनाने की शपथ

न्यूज ऑफ दि डे

जयपुर। सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला में हैनीमैन चैरिटेबल मिशन सोसाइटी द्वारा संचालित कृषि एवं गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही संस्था इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस एग्रीकल्चर स्किल डेवलपमेंट (आईआईए ए एस डी) द्वारा गौशाला प्रबंधकों एवं गौ संचालकों का आर्थिक स्वावलंबन बनाने के विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ. अतुल गुप्ता ने कहा कि राज्य में 3300 गौशाला हैं जिसमें लगभग 1.5 करोड़ गौवंश है। एक गाय 10 किलो गोबर देती है जिससे कि 15 करोड़ किलो गोबर का उत्पादन प्रतिदिन होता है। जो कि 10 प्रति किलो के हिसाब से बिकता है। अर्थात 150 करोड़ रूपये रोज का गोबर बर्बाद किया जा रहा है। भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ ने राज्य को जैविक राज्य बनाने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई बार ज्ञापन दिया गया जिसकी सुनवाई नहीं हुई। अतः राज्य के विभिन्न जिलों से आए हुए गौशाला संचालकों ने राज्य को जैविक राज्य बनाने की शपथ ली। इस उद्देश्य हेतु गौशालाओं में डिपो बनाने का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। सभी गौशालाओं को खाद की बिक्री तथा जैविक उत्पादन के लिए खरीद केंद्र भी बनाए जाएंगे। इसका अति शीघ्र एक ऐप भी तैयार किया जाएगा जिससे सभी गौशालाओं को एक मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा तथा राज्य के विकास हेतु कार्य करेगा। सभी गौ प्रबंधकों एवं गौ संचालकों ने एकमत होकर इस उद्देश्य हेतु वचनबद्धता प्रदर्शित की।

पर्यावरण जागृति रैली निकाली

न्यूज ऑफ दि डे

जयपुर। अखिल भारतीय वैश्य अग्रवाल महासभा के तत्वावधान में प्रताप नगर के स्टार हॉस्पीटल में सेवा सप्ताह का शुभारंभ रविवार को निकली पर्यावरण जागृति रैली से हुआ। 'स्वस्थ जयपुर, ग्रीन जयपुर में प्रदूषण मुक्त' के तहत निकली इस रैली में काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया। अखिल भारतीय वैश्य अग्रवाल महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राम अवतार गुप्ता ने बताया कि रैली स्टार हॉस्पिटल से प्रतापेश्वर महादेव मंदिर तक निकाली गई। रैली में काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया। रैली के समापन पर मंदिर में पौधे लगाए गए। इस दौरान स्टार हॉस्पीटल में आयोजित चिकित्सा शिविर में करीब 500 मरीज लाभान्वित हुए। मरीजों को पौधे मय गमले वितरित किए गए। इस मौके पर अस्पताल के निदेषक डॉ.राकेष केदावत,राजकुमार अग्रवाल, कमलेष कुमार अग्रवाल,षालू अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल,अनीता देवी व रवि कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

राजीव अरोड़ा का नैरोबी में भव्य स्वागत

न्यूज ऑफ दि डे

जयपुर। आगामी माह में 5 से 7 जुलाई तक आयोजित होने वाले इंडो-ईस्ट अफ्रीका ट्रेड एक्सपो की तैयारियों को लेकर राजस्थान लघु उद्योग निगम (राजसिको) और राजस्थान निर्यात संवर्धन काउंसिल (आरईपीसी) के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा अफ्रीकी देश केन्या पहुँचे। केन्या पहुँचने पर वहाँ राजधानी नैरोबी में राजीव अरोड़ा का भव्य स्वागत हुआ। राजस्थान एसोसिएशन ऑफ़ केन्या तथा फैडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज़ (फ़ोर्टी) के पदाधिकारियों ने राजसिको चेयरमैन राजीव अरोड़ा का स्वागत किया। इस अवसर पर राजीव अरोड़ा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की शुभकामना प्रेषित की।

उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर राजस्थान एसोसिएशन ऑफ केन्या के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष और हिंदू काउंसिल ऑफ केन्या के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ सोनवीर सिंह, राजस्थान एसोसिएशन ऑफ केन्या की महिला संस्थापक निर्मल चौधरी, राजस्थान एसोसिएशन ऑफ केन्या के उपाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश भगराना, राजस्थान एसोसिएशन ऑफ केन्या के कोषाध्यक्ष जगदीश टाक, पवन गेहलोत, एविन गेहलोत आदि गणमान्यों ने राजीव अरोड़ा का स्वागत किया।

राजीव अरोड़ा ने बताया कि फोर्टी तथा राजस्थान एक्सपर्ट प्रमोशन काउंसिल के तत्वावधान में तीन दिवसीय इंडो-ईस्ट अफ्रीका ट्रेड एक्सपो-2023 का आयोजन 5 से 7 जुलाई तक पूर्वी अफ्रीकी देश केन्या की राजधानी नैरोबी में किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रदेश के उद्यमियों व व्यापारियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना तथा प्रदेश से निर्यात की संभावनाओं को बढ़ाना है। अरोड़ा ने बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रदेश के सकल निर्यात में वृद्धि करना है, इसके लिए अंतरराज्यीय व्यापार के साथ अंतर्राष्ट्रीय संभावनाओं पर भी सक्रियता से कार्य किया जा रहा है। राजस्थान प्रदेश के छोटे उद्यमियों व व्यापारियों को अंतर्राष्ट्रीय मंच देने के लिए आरईपीसी प्रोत्साहन कार्यक्रम चला रही है। राज्य सरकार की विभिन्न नीतियाँ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात को बढ़ावा देकर प्रदेश के उद्यमियों के उत्थान हेतु समर्पित है, जिससे विदेशी मुद्रा में अभिवृद्धि और राष्ट्रीय विकास सुनिश्चित हो रहा है।

टीम "ब्लैक जस्टिस" ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में किया ट्रेलर लॉन्च

न्यूज ऑफ दि डे

नई दिल्ली। (मनोज शर्मा ब्यूरो चीफ) वेब सीरीज "ब्लैक जस्टिस" का ट्रेलर 27 जून को नई दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में लॉन्च हुआ। इस कार्यक्रम में "ब्लैक जस्टिस" का सिग्नेचर सॉन्ग गाने वाली प्रसिद्ध लोकगीत भोजपुरी गायिका सुश्री नेहा सिंह राठौड़ और इस वेबसीरीज के दूरदर्शी निर्माता डॉ. कपिल कक्कड़ शामिल हुए। श्री मुकेश खन्ना, जो अपने किरदार शक्तिमान के लिए जाने जाते हैं जिन्होंने इस वेब सीरीज के लिए अपनी आवाज दी है, ने इस ट्रेलर लॉन्च के अवसर पर अपने प्रशंसकों के लिए एक वीडियो संदेश भेजा क्योंकि वह

व्यक्तिगत रूप से शामिल होने में असमर्थ थे।

"ब्लैक जस्टिस" एक वेब सीरीज है जो हमारे समाज के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में बात करती है, जो हमारे देश के हितों की गहराई से जुड़े मुद्दों पर एक नया दृष्टिकोण पेश करती है। इस सीरीज में गेम-चेंजर बनने की क्षमता है, जो हमारी सरकार, न्यायपालिका और समाज को प्रभावित करने वाले विषयों को पेश करती है। "ब्लैक जस्टिस" को लेखक और निर्माता डॉ. कपिल कक्कड़ के शानदार मार्गदर्शन में, इन महत्वपूर्ण मामलों पर प्रकाश डालने, विचार को प्रेरित करने और चर्चा को प्रोत्साहित करने के इरादे से तैयार किया गया है। बता दें कि यह वेब सीरीज अपनी रिलीज से पहले ही 11 अवार्ड में नामित हो चुकी है जबकि 2022 में ब्लैक बोर्ड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल और मूनवाइट फिल्म्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्ट (एमडब्ल्यूएफआईएफएफ) की विनर रह चुकी है।

अपने वीडियो बयान में, श्री मुकेश खन्ना ने "ब्लैक जस्टिस" के पीछे की पूरी टीम को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने सकारात्मक बदलाव लाने के लिए वेबसीरीज की क्षमता को स्वीकार किया और उसकी कहानी और अवधारणा के लिए डॉ. कपिल कक्कड़ की सराहना की। डॉ. कक्कड़ ने कहा, यह केरल फाइल और कश्मीर फाइल्स जैसी न्यायपालिका फाइलें नहीं है, लेकिन इस वेबसीरीज ने एक समाधान के रूप में अभूतपूर्व सुधार को बढ़ावा देने की क्षमता है, जिन्हें लागू करना मुश्किल नहीं है। 2-3 शिफ्टों में अदालतें चलाने जैसे सुधार से न केवल बुनियादी ढांचे पर पैसा बचता है बल्कि रोजगार भी पैदा होता है। श्री खन्ना ने "ब्लैक जस्टिस" के प्रभाव और हमारे समाज के सामने आने वाले गंभीर मुद्दों पर बातचीत को प्रोत्साहित करने की इसकी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने इस सीरीज को सामाजिक जागरूकता और परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए अपना समर्थन दिया।

"ब्लैक जस्टिस" के प्रतिष्ठित निर्देशक भाविन वाडिया के पास असाधारण सिनेमाई अनुभव का एक ट्रैक रिकॉर्ड है। 2016 में दिवंगत ओम पुरी जी अभिनीत "मराठवाड़ा" और 2017 में "मेड सुपरस्टार" जैसी उल्लेखनीय फिल्मों का निर्देशन करने के बाद, वाडिया इस वेब सीरीज में अपनी विशेषज्ञता और अद्वितीय दृष्टि से दर्शकों के लिए एक गहन और विचारोत्तेजक कहानी सुनिश्चित कर रहे हैं। मुख्य अभिनेता, जेपी ने प्रतिभाशाली वेदिश जवेरी की भूमिका निभाई है, जो जल्द ही बहुप्रतीक्षित फिल्म "सरदार" में भी नजर आने वाले हैं।

प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद शाहनवाज अली द्वारा मैं डी.बी. कॉर्प लिमिटेड के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा रेलवे क्रॉसिंग, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं विटोरियन एपायर, दीपक मार्ग, एम.डी.रोड, जयपुर से प्रकाशित। प्रधान सपादकः सैयद शाहनवाज अली। प्रबंध सपादकः असलम रशीद उस्मानी। *समाचार चयन के लिए पीआरबी एट के तहत जिममेदार।